जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 243 प्रभात उदयपुर, शनिवार 6 जुलाई, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा व कांग्रेस के ''कई ब्रॉण्ड'' धराशायी हुए

कांग्रेस के दो ''ब्रॉण्ड'', अशोक गहलोत व कमलनाथ, राजनीति की दृष्टि से खत्म हो गये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5जुलाई। इस वर्ष (2024) के चुनावों ने राष्ट्रीय तथा प्रान्तीय दोनों ही स्तरों पर कई ब्रान्ड काफी हद तक धराशायी कर दिये हैं।

इस चुनाव ने राष्ट्रीय स्तर पर ब्रान्ड नरेन्द्र मोदी को उनके ऊँचे आसन से नीचे उतार दिया तथा वे नीचे ही आते जा रहे हैं।

जहां तक कांग्रेस का प्रश्न हैं, दो बड़े ब्रान्ड धूल चाट गए हैं और राजनैतिक रूप से अपने अन्त के निकट हैं।

राजस्थान के कांग्रेस नेता अशोक गहलोत, जो कांग्रेस के अर्थतन्त्र में एक सुपरिचित ब्रान्ड थे, आज हाशिये पर पहुँच चुके हैं।

राजस्थान तथा ए.आई.सी.सी. दोनों ही जगह प्रायः सुनाई देने लगा है- 'एक अशोक गहलोत था'।

अभी हाल ही समाप्त हुये लोकसभा चुनावों में, अशोक गहलोत अपने पुत्र तक की जीत सुनिश्चित नहीं कर सके। वैभव गहलोत दूसरी बार हारे हैं।

राजस्थान कांग्रेस के कुछ लोगों का कहना हैं कि अगर गहलोत नहीं रहे होते तथा अपने बेटे अपने बलबूते पर ही चुनाव लड़ने दिया होता, तो वे जीत भी सकते थे किन्तु अशोक गहलोत के माइक्रो प्रचार-प्रबन्धन के हावी रहने के कारण उनके बेटे की पराजय हो गई।

- गहलोत, दोबारा अपने पुत्र वैभव गहलोत को चुनाव जितवाने में नाकामयाब रहे। बल्कि, राजनीतिक हल्कों में तो चर्चा यहां तक है कि, अगर अशोक अपने पुत्र का चुनाव इतना ''माइक्रो मैनेज'' नहीं करते तो शायद वैभव सहानुभूति के कारण बेहतर प्रदर्शन कर पाते और यह स्थिति नहीं आती कि, अब पार्टी में पूर्व मु.मंत्री गहलोत की जब चर्चा होती है, तो यह शब्द प्रायः सुने जाते हैं कि, ''एक अशोक गहलोत था।''
- इस प्रकार कमलनाथ, अपनी पुरानी सीट छिंदवाड़ा से हारे। 1953 से कांग्रेस पार्टी छिंदवाड़ा से लगातार जीतती आ रही थी। इसके अलावा कमलनाथ के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के लोकसभा चुनाव में भाजपा सभी सीटों पर विजयी हुई। कमलनाथ की स्थिति तो इतनी गड़बड़ थी कि, एक बार तो गंभीरता से चर्चा चली थी कि, कमलनाथ व उनके पुत्र भाजपा जॉइन कर रहे हैं।
- भाजपा में सबसे ज्यादा नुकसान प्र.मंत्री मोदी की ब्रॉण्ड वैल्यू को हुआ और भाजपा 63 सीटें पर हारी, जो पिछले चुनाव में भाजपा ने जीती थीं।

अशोक गहलोत, जो इस समय अस्वस्थ बताये जा रहे हैं, अब इंडिया गठबन्धन का चेयरमैन बनने के लिये समर्थन हासिल करने की कोशिश में हैं तथा उन्हें आशा है कि मल्लिकार्जुन खड़गे इस काम में उनकी मदद करेंगे।

गहलोत के लिये इस बात को पचाना मुश्किल हो रहा है कि सचिन पायलट कांग्रेस के नवोदित सितारे हैं क्योंकि वे भारी भीड़ भी जुटा लेते हैं तथा इसके साथ ही, अपने क्षेत्र में सीटें भी जीत लेते हैं। दुःख की बात यह है कि अशोक गहलोत के बारे में ये बातें नहीं कही जा सकतीं।

एक अन्य बड़े कांग्रेस नेता, जो अब चुक गये हैं वे हैं ब्रान्ड कमल नाथ। अनेक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

में सचिन पायलट को प्रचार नहीं करने दिया, जिसके कारण में पार्टी में यह प्रबल सन्देश गया कि गहलोत राज्य में अपने धुर-विरोधी प्रतिद्वन्द्वी के साथ कभी भी मिलकर काम नहीं कर सकते।

गहलोत द्वारा दी गई कुछ गलत टिकटों के कारण कांग्रेस कुछ ज्यादा सीटें हार गई, अन्यथा कांग्रेस की सीटों की संख्या और भी ज्यादा रही होती।

पूर्व विधायक मलिंगा की जमानत रद्द

जयपुर, 5 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिजली कंपनी के ए.ई.एन. से मारपीट और एस.सी./ एस.टी. केस से जुडे मामले में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को दी गई जमानत रद्द कर दी है। इसके साथ ही अदालत ने मलिंगा को तीस दिन में सरेंडर करने को कहा है। जस्टिस फरजंद अली की एकलपीठ ने यह आदेश पीड़ित ए.ई.एन. हर्षाधिपति की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने याचिका पर गत 15 मार्च को पक्षकारों की बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया

- राजस्थान हाई कोर्ट ने बिजली कंपनी के ए.ई.एन. से की गई मारपीट और एस.सी./एस.टी. केस में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को दी गई जमानत रद्द करते हुए उन्हें 30 दिन में सरैंडर करने के आदेश दिए हैं।

था। अदालत ने माना कि मलिंगा ने अदालत से मिली जमानत का दुरुपयोग किया है। अदालत ने 17 मई, 2022 को मलिंगा को प्रकरण में जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे।

याचिका में अधिवक्ता अजय कुमार जैन ने बताया कि 29 मार्च, 2022 को बाडी थाने में स्थानीय विधायक मलिंगा और उनके समर्थकों के खिलाफ याचिकाकर्ता पर हमला और मारपीट का मामला दर्ज किया था। घटना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दोनों राजधानियों, लंदन व वॉशिंगटन में दो भारतीय मूल के राजनीतिज्ञ चर्चाओं में छाये हैं

ऋषि सुनक अपना प्र.मंत्री पद छोड़ने के कारण और कमला हैरिस डैमोक्रेटिक पार्टी की ओर से अमेरिका के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने की संभावना के कारण

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। यह दो शहरों की दास्तां है: लंदन और वॉशिंगटन। लेकिन, इसमें थीम साँग एक ही है। अनौपचारिक रूप से प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति बनने के लिए दो राजनीतिज्ञ उभरकर आए हैं, इस पद को पाने के लिए आतुर हजारों की भीड़ में से। पर फिर भी इस कहानी में दोनों शहरों में राजनीति की धाराएं भिन्न हैं।

ब्रिटेन के पहले एशियन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, भारी उतार चढ़ाव व उथल-पुथल वाले दो वर्षों के बाद पद से हट रहे हैं। सुनक के नेतृत्व में कंजर्वेटिव पार्टी को भारी हार का सामना करना पड़ा तथा मतदाता भारी संख्या में लेबर पार्टी की तरफ चले गए।

उधर अमेरिका में, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में कमला हैरिस का नाम लिया जा रहा है, जो वर्तमान में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की रनिंग मेट हैं।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच डिबेट के दौरान उनके लगभग विक्षिप्त से प्रदर्शन के बाद डैमोक्रेटिक पार्टी को यकीन हो गया है कि बाइडन जिताऊ

- अमेरिका की डैमोक्रेटिक पार्टी का मन बन सा गया है कि, वर्तमान राष्ट्रपति बाइडन अगली बार पुनः राष्ट्रपति पद संभालने के लिये उपयुक्त नहीं हैं, बढ़ती उम्र के कारण।
- एक वरिष्ठ डैमोक्रेटिक पार्टी के नेता ने इस मुद्दे पर टिप्पणी की कि, ''कमला हैरिस शायद बैस्ट उम्मीदवार नहीं हैं, पर, वे ही एकमात्र रियलिस्टिक (व्यवहारिकता की दृष्टि से) सही उम्मीदवार हैं।
- ऋषि सुनक दो साल तक ब्रिटेन के प्र.मंत्री रहने के बाद, उनकी पार्टी के चुनाव हार जाने के कारण अपना पद छोड़ रहे हैं। ब्रिटेन के अखबार उनके जाने के कारणों का विश्लेषण करने में व्यस्त हैं तथा सुनक के कार्यकाल पर मीडिया का फोकस बना हुआ है।

उम्मीदवार नहीं है। सी.एम.एम. के अनुसार एक दस्तावेज में कहा गया है, ''इस मुश्किल से बाहर आने का एक रास्ता है और वो है कमला हैरिस। डैमोक्रेटिक ''लैजिटीमैसी'' पर सर्वाधिक सशक्त दावा कमला हैरिस का है। वो एकमात्र कैन्डिडेट है जो इस समय बागडोर अपने हाथों में ले सकती है, बजाय अगस्त के अंत में। उनके कई महत्वपूर्ण चुनावी लाभ हैं वो जीत सकती हैं।''

यदि वो चुनी गई तो यह दूसरा व्यक्ति होगा जो अपने ''अडॉप्टेड'' देश में उच्चतम पद पर आसीन होगा।

ब्रिटेन में, ऋषि सुनक ऐसे संकट के समय में प्रधानमंत्री बने जब तत्कालीन प्रधानमंत्री कोविड प्रतिबंधों के दौरान ''पार्टियाँ'' करने के बारे में झूठ बोलने के कारण सारी विश्वसनीयता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डॉ. सतीश पूनिया हरियाणा में भाजपा के प्रभारी नियुक्त

डॉ. सतीश पूनिया

जयपुर, 5 जुलाई (का.सं.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 24 राज्यों के लिए प्रभारी और सह प्रभारियों नियुक्ति कि घोषणा की। प्रदेश

- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने 24 राज्यों में प्रभारी व सह प्रभारियों की नियुक्त की।

के पूर्व भाजपा अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया को भाजपा ने हरियाणा में विधानसभा चुनावों से पहले बड़ी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महुआ मोइत्रा ने एक बार फिर बहुत ही हल्की टिप्पणी की

उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के लिये कहा, वे बहुत व्यस्त थीं, अपने बॉस का पायजामा थामने में

- श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा एनसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन रेखा शर्मा के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणी के कारण विवादों में घिर गई हैं। कृष्णानगर सांसद ऐसी पहली तथा अन्तिम राजनेता नहीं हैं जो विवादास्पद टिप्पणियों के चलते सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गई हैं।

मोइत्रा की टिप्पणी उस वीडियो के बाद आई है, जिसमें शर्मा को हाथरस के भगदड़ वाले स्थल पर जाते दिखाया गया है। वे खाली हाथ चल रही हैं तथा एक सुरक्षाकर्मी बरसात से बचाने के लिए उन पर छाता लगाये हुए चल रहा है। इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए, मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टिप्पणी की है: ''वह अपने बॉस का पायजामा पकड़ने में व्यस्त हैं।'' एन.सी.डब्ल्यू. ने इस टिप्पणी की निन्दा

- यह टिप्पणी उन्होंने उस समय कि, जब रेखा शर्मा हाथरस में भगदड़ के कारण हुई त्रासदी की जगह का निरीक्षण कर रही थीं तथा एक सुरक्षाकर्मी ने बूंदाबांदी के कारण उन पर एक छाता तान रखा था तथा रेखा शर्मा के दोनों हाथ फ्री थे, जब वे चल रही थीं।

की है तथा उनके खिलाफ दिल्ली पुलिस में एक एफ.आई.आर. दर्ज करा दी है। इसके अलावा, एन.सी.डब्ल्यू. ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को एक पत्र लिखकर कहा है कि वे इस मुद्दे पर उचित ध्यान दें। राजनेता, सरकारी अधिकारी तथा सार्वजनिक हस्तियाँ प्रायः इस प्रकार की अशोभनीय टिप्पणियों के शिकार होते रहते हैं। वर्ष 2017 में, जे.डी.यू. नेता स्व. शरद यादव की एक विवादित टिप्पणी अखबारों की सुर्खी ब गई थी। उन्होंने कह दिया था- ''वोट का सम्मान पुत्री के सम्मान से भी ऊपर हैं।'' कुछ साल पहले, भाजपा नेता विनय कटियार एक टिप्पणी करते हुये विवाद को न्यौता दे दिया था। उन्होंने कह दिया था, ''प्रियंका गांधी से ज्यादा खूबसूरत स्टार प्रचारक और भी हैं। पूर्व लोकसभा सांसद तथा कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने तत्कालीन थल सेना प्रमुख बिपिन रावत के बारे में बोलेते हुए, उन्हें ''सड़क का गुन्डा'' कह दिया था। भाजपा नेता संगीत सोम ने एक बयान दिया था कि ताजमहल को ढहा दिया जाना चाहिए क्योंकि यह देशद्रोहियों द्वारा बनवाया गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा नेता आजम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहली बार लेबर पार्टी ने विदेश नीति में ''एंटी इंडिया'' झुकाव को स्वीकार किया

ब्रिटेन के नये प्र.मंत्री, लेबर पार्टी के नेता, स्टारमर ने पद संभालते ही भारत को विश्वास दिलाया कि, अब लेबर पार्टी पुरानी लेबर पार्टी नहीं है तथा अब लेबर पार्टी भारत के साथ नये रिश्ते कायम करेगी, जो आपसी विश्वास व प्रजातंत्रीय मान्यताओं पर आधारित होंगे।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। युनाइटेड किंगडम (यू.के.) भारत के साथ रिश्ते सुधारने और एक उचित संबंध बनाने जा रहा है। दोनों देशों के विदेश नीति निर्माताओं के मन में इसे लेकर एक उम्मीद की किरण है। उम्मीद की जाती है कि यू.के. नव-निर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टारमर अपने चुनाव घोषणा के अनुरूप भारत के साथ एक ''नई राजनीतिक साझेदारी'' की प्रतिबद्धता को पूर्ण करेंगे जिसमें यू.के. और भारत

- प्र.मंत्री स्टारमर के अनुसार ब्रिटेन में हिन्दू फोबिया'' के लिये कोई जगह नहीं है।
- स्टारमर ने यह भी कहा कि, कश्मीर के मुद्दे पर भी लेबर पार्टी ''एक्स्ट्रीमिस्ट'' (अतिवादी) विचार व विचारकों को स्थान नहीं देगा, क्योंकि इन विचारों से ब्रिटेन-भारत संबंधों में बेवजह कटुता व निराशा आती है।

के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमैंट (एफ.टी.ए.) को मूर्त रूप दिया जाना भी शामिल है।

स्टारमर ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भारत के साथ संबंध मजबूत करने का संकेत देते हुए उसके साथ यथोचित रिश्तों के महत्व पर बल दिया था। उनके चुनाव घोषणा पत्र में भारत के साथ एक नवीन रणनीतिक साझेदारी की दिशा में काम करने सहित दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेट एग्रीमैंट के संकेत थे। स्टारमर ने ब्रिटेन के विभिन्न मंदिरों में दर्शन कर वहां के बढ़ते हिंदू वोटों को लुभाने का दृढ़ प्रयास किया। यद्यपि, उनका यह रूख पार्टी के पूर्व नेता जेरेमी कोर्बिन के दृष्टिकोण से बिल्कुल अलग था।

स्टारमर अपने चुनाव प्रचार के दौरान व्यापार, तकनीकी, पर्यावरण और सुरक्षा अभियानों तक व्यापक, यू.के. और भारत के मजबूत संबंधों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

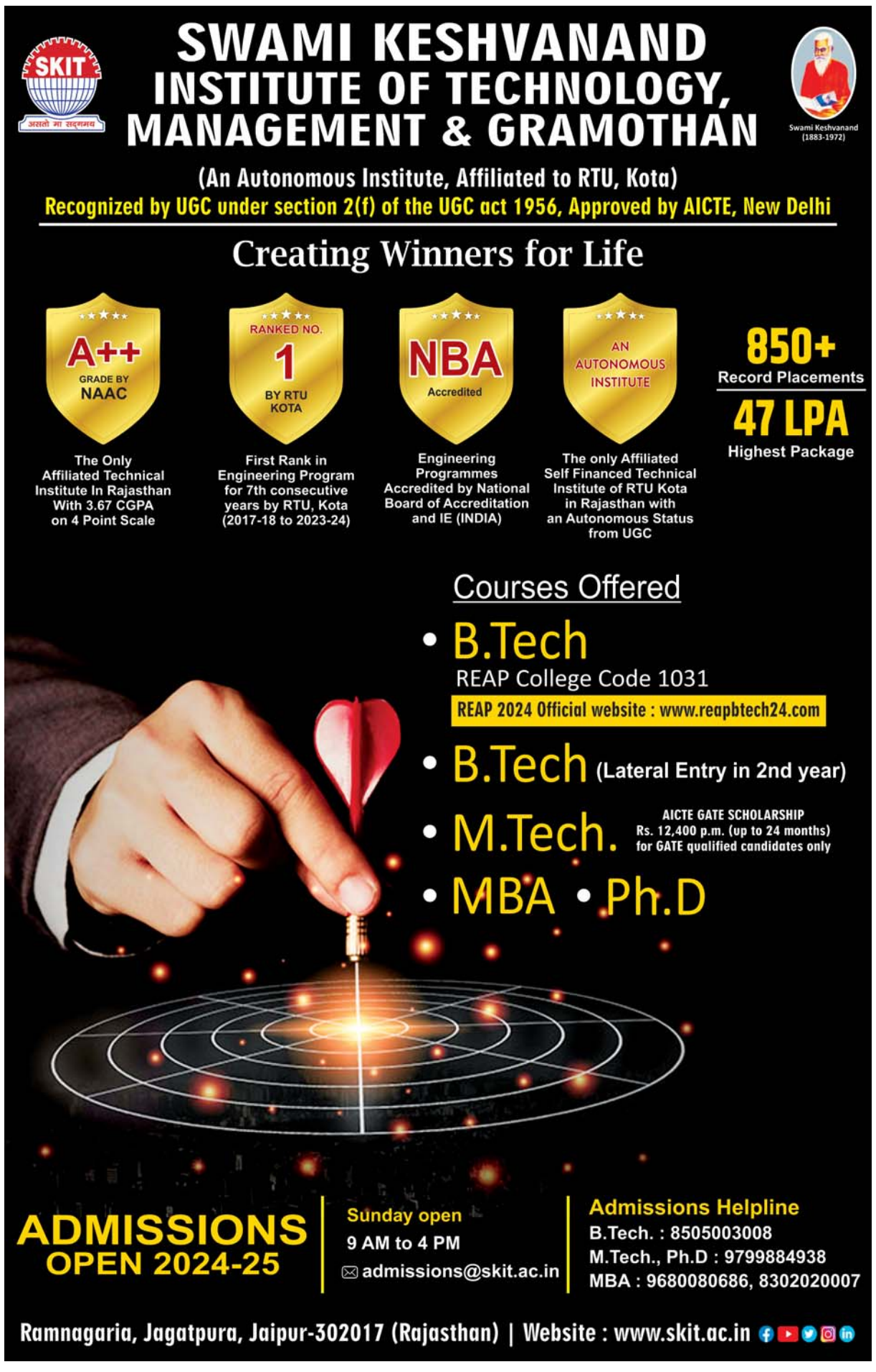

विचार बिन्दु

जो काम घड़ों जल से नहीं होता उसे दवा के दो घूँट कर देते हैं और जो काम तलवार से नहीं होता वह काँटा कर देता है। –सुदर्शन

सालाना तीस लाख जिंदगियां निगल रही है शराब

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शराब को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। इस संबंध में संगठन ने अपनी एक ताज़ा रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि शराब की वजह से हर साल करीब 30 लाख लोगों की मौत होती है।

उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में मृत्यु दर में थोड़ी कमी आई है। इस नए रिपोर्ट को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि आंकड़ें भले ही कम हो रहे हों लेकिन यह अभी भी 'अस्वीकार्य रूप से उच्च' बनी हुई है। शराब और स्वास्थ्य पर पेश इस नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब से सेवन से हर साल दुनिया भर में 20 में से लगभग एक मौत शराब पीने के कारण होती है। शराब पी के गाड़ी चलाने, शराब के कारण होने वाली हिंसा और दुर्व्यवहार और कई तरह की बीमारियों और विकारों के कारण यह मौत होती है। शराब का नशा कम समय में बहुत अधिक शराब पीने से जुड़ी एक स्थिति है। इसे शराब पॉयसन भी कहा जाता है। शराब का नशा गंभीर है यह आपके शरीर के तापमान, श्वास, हृदय गति और गैग रिफ्लेक्स को प्रभावित करता है।

यह कभी-कभी कोमा या मृत्यु का कारण भी बन सकता है। शराब का नशा कम समय में जल्दी हो सकता है। जब कोई व्यक्ति शराब का सेवन कर रहा होता है, तो अलग-अलग लक्षण दिखाई दे सकता हैं। ये लक्षण नशे के विभिन्न स्तरों, या चरणों से जुड़े होते हैं।

नशाखोरी इस सदी की सबसे बड़ी समस्या है जिसमें शराब का नशा प्रमुख है। आज युवा वर्ग शराब के नशे में खोता जा रहा है। युवाओं में तेजी से बढ़ रही शराब की लत को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ समय-समय सचेत करते रहते हैं। शराब का सेवन शरीर को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है। युवाओं के बीच शराब का सेवन एक चलन सा चल पड़ा है। शराब एक नशीला पदार्थ है, जिसको एक प्रकार का अवसाद भी माना जाता है। शराब जैसे तन मन और परिवार को खोखला करने वाली की लत उन्हें बर्बाद कर रही है। शुरू में युवा शौक के तौर पर शराब का सेवन करता है और बाद में नशे की मांग पूरी करने के लिए तस्करी और गैर सामाजिक कार्य के कारोबार में फंस जाता है। देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 31.2 फीसदी लोग शराब का सेवन करते हैं। इनमें से 3.8 फीसदी वो लोग भी हैं जो इसकी लत का बुरी तरह शिकार हैं और आए दिन बड़ी मात्रा में शराब पीते हैं, जबकि 12.3 फीसदी वो हैं जो कभी-कभार काफी ज्यादा शराब पीते हैं। युवा लोगों में शराब पीने की लत तो बढ़ ही रही थी, अब पीकर बेहोश होने का नया चलन शुरू हो गया है। आजकल के बदलते लाइफस्टाइल में हमारे देश में नशा एक ऐसा अभिशाप बन कर उभर रहा है जो हमारे युवाओं को तेजी से अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। साल-दर-साल इन युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। युवाओं में शराब जैसे खतरनाक नशे के बढ़ते चलन के पीछे बदलती जीवनशैली, अकेलापन, बेरोज़गारी और आपसी कलह जैसे अनेक कारण हो सकते हैं।

युवाओं में नशा करने की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते शहरी और ग्रामीण अंचल में आपराधिक वारदातों में काफी इजाफा हो रहा है। शराब के साथ नशे की दवाओं का उपयोग कर युवा वर्ग आपराधिक वारदातों को सहजता के साथ अंजाम देने लगे हैं। हिंसा, बलात्कार, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है। शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट करना, शादीशुदा व्यक्तियों द्वारा नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करना आम बात है।

युवाओं में तेजी से बढ़ रही शराब की लत को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ समय-समय सचेत करते रहते हैं। शराब का सेवन शरीर को गंभीर क्षित पहुंचा सकता है। युवाओं के बीच शराब का सेवन एक चलन सा चल पड़ा है। शराब एक नशीला पदार्थ है, जिसको एक प्रकार का अवसाद भी माना जाता है।

एक सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार भारत में पांच में से एक शख्स शराब पीता है। सर्वे के अनुसार 19 प्रतिशत लोगों को शराब की लत है। जबकि 2.9 करोड़ लोगों की तुलना में 10-75 उम्र के 2.7 प्रतिशत लोगों को हर रोज ज्यादा नहीं तो कम से कम एक पेग जरूर चाहिए होता है और ये शराब के लती होते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार देशभर में 10 से 75 साल की आयु वर्ग के 14.6 प्रतिशत यानी करीब 16 करोड़ लोग शराब पीते हैं। छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश और गोवा में शराब का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है।

इस सर्वे की चौंकाने वाली बात यह है कि देश में 10 साल के बच्चे भी नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में शामिल हैं। एक अन्य सर्वे के मुताबिक भारत में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लगभग 37 प्रतिशत लोग नशे का सेवन करते हैं। इनमें ऐसे लोग भी शामिल है जिनके घरों में दो जून रोटी भी सुलभ नहीं है। जिन परिवारों के पास रोटी-कपड़ा और मकान की सुविधा उपलब्ध नहीं है तथा सुबह-शाम के खाने के लाले पड़े हुए हैं उनके मुखिया मजदूरी के रूप में जो कमा कर लाते हैं वे शराब पर फूंक डालते हैं। इन लोगों को अपने परिवार की चिन्ता नहीं है कि उनके पेट खाली हैं और बच्चे भूख से तड़फ रहे हैं। ऐसे लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। ये लोग कहते हैं वे गम को भुलाने के लिए नशे का सेवन करते हैं। उनका यह तर्क कितना बेमानी है जब यह देखा जाता है कि उनका परिवार भूखे ही सो रहा है। युवाओं में नशा करने की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते शहरी और ग्रामीण अंचल में आपराधिक वारदातों में काफी इजाफा हो रहा है। शराब के साथ नशे की दवाओं का उपयोग कर युवा वर्ग आपराधिक वारदातों को सहजता के साथ अंजाम देने लगे हैं। हिंसा, बलात्कार, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है। शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट करना, शादीशुदा व्यक्तियों द्वारा नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करना आम बात है। शराब पीने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जिनमें लीवर का सिरोसिस और कुछ कैंसर शामिल हैं।

रिपोर्ट में पाया गया कि 2019 में इसके कारण हुई सभी मौतों में से लगभग 1.6 मिलियन गैर-संचारी रोगों से हुई थीं। इनमें से 474,000 हृदय संबंधी बीमारियों से, 401,000 कैंसर से और 724,000 लोग यातायात दुर्घटनाओं और खुद को नुकसान पहुंचाने सहित चोटों से हुई थीं। रिपोर्ट में पाया गया कि शराब का सेवन करने से लोग तपेदिक, एचआईवी और निमोनिया जैसी संक्रामक बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 6 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुकल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 4:48 तक, व्याघात योग रात्रि 2:47 तक, किस्तुघ्न करण सांय 4:27 तक, चन्द्रमा रात्रि 10:34 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज शुक्र कर्क राशि में रात्रि 4:31 पर प्रवेश करेगा। आज से गुप्त नवरात्रा आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:24 से 9:07 तक, चर 12:31 से 2:13 तक, लाभ-अमृत 2:13 से 5:38 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

तुला
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

जालोर में कृषि भूमि पर बिना किसी भू-रूपानांतरण के काटी जारी कॉलोनियां

राज्य सरकार के आदेश हैं कि कृषि भूमि पर बिना भू-रूपानान्तण के किसी प्रकार से भूखण्ड का बेचान आदि नहीं किया जा सकता है

जालोर, (कासं)। जालोर में भू-माफिया की ओर से बिना किसी भू-रूपानान्तरण किये कृषि भूमि पर कॉलोनियां नियम विरूद्ध काटी जा रही है। जबकि राज्य सरकार के आदेश है कि कृषि भूमि पर बिना भू- रूपानान्तण के किसी प्रकार से भूखण्ड का बेचान आदि नहीं किया जा सकता है।

जालोर में प्रशासनिक उदासीनता के चलते जालोर शहर के आसपास कृषि भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा नियम विरूद्ध बिना किसी प्रकार से भू-रूपानान्तरण किये कॉलोनियां काटकर भूखण्ड बेचे जा रहे हैं। जबकि राज्य सरकार के आदेशानुसार बिना भू-रूपानान्तण किये किसी भी प्रकार से कृषि भूखण्ड पर कॉलोनियां नही काटी जा सकती है। वहीं कृषि भूखण्ड पर कॉलोनियां काट कर उसकी बेचाननामा करवाने को लेकर जिला कलैक्टर जालोर द्वारा रोक लगा रखी है।

जालोर में बिना भू-रूपानान्तरण के कृषि भूमि पर प्लॉटिंग की गई।

इसके बावजूद जालोर में कृषि भूखण्ड का बेचाननामा दस्तावेज बन रहे हैं। जालोर शहर के केशवना रोड़ स्थित केजीएन कॉलोनी के पास खसरा नम्बर 1174 में भू-माफिया द्वारा भू रूपानान्तरण किये बिना कृषि भूखण्ड पर कॉलोनियां काट दी। ऐसे में धीरे-धीरे कृषि भूमि समाप्त होती नजर आ रही है। वहीं कई जगह तो भू-माफिया संयुक्त कृषि भूमि पर बिना बंटवारा किये भी कॉलोनियां काटने से आने वाले समय विवाद को जन्म देते नजर आ रहे हैं।

- **जालोर में प्रशासनिक उदासीनता के चलते कृषि भूमि पर कॉलोनियां काटकर भूखण्ड बेचे जा रहे हैं**

संयुक्त खातेदार देवाराम सरगरा ने बताया कि उसकी संयुक्त खाते भूमि केशवना रोड पर आई है। जिसका बंटवारा का वाद एसडीएम कोर्ट जालोर में चला रहा है। इसके बावजूद हमारी संयुक्त खातेदारी भूमि पर भू-माफियाओं ने हमारी जमीन पर भूखण्ड काट दिये, जिसको लेकर पुलिस में रिपोर्ट दी है।

कायलाना की पहाड़ियों में लेपर्ड का शव मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में पिछले कई दिनों से कायलाना और आसपास की पहाड़ियों में घूम रहे लेपर्ड का शव माचिया बायोलॉजिकल पार्क के समीप मिला। फिलहाल लेपर्ड की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। लेपर्ड की संदिग्ध हालत में हुई मौत को लेकर कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। डीएफओ सरिता चौधरी ने बताया मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम करवाया गया है।

- **लेपर्ड की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है**

गौरतलब है कि पिछले 3 माह से अधिक समय से लेपर्ड की लोकेशन माचिया सफारी पार्क के आसपास आ रही थी। उसकी तलाश में वन विभाग की टीम लगी हुई थी लेकिन उसका रेस्क्यू करने में वन विभाग की टीम में कामयाब नहीं हो पाई।

इस दौरान कई अन्य जिलों के एक्सपर्ट की मदद भी ली गई लेकिन सारे प्रयास बेकार गए। बीएसएफ के ड्रोन की मदद भी ली गई थी लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। अंतिम बार 13 जून की रात एक बजे के आसपास माचिया बायोलॉजिकल पार्क के गेट नंबर 2 के पास लगे इंफ्रारेड ट्रैप कमरे में लेपर्ड नजर आया था। यह कैमरा उसे रेस्क्यू करने के लिए ट्रैप केज के पास लगाया गया था। उस दौरान एक बकरी को भी ट्रैप केज के पास बांधा गया था।

करीब 20 सेकंड के फुटेज में लेपर्ड नजर आया लेकिन उसने बकरी का शिकार नहीं किया। इसके बाद से लेपर्ड नजर नहीं आया। आज उसका शव मिलने से वनकर्मियों में हड़कंप मच गया। फिलहाल लेपर्ड की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। लेपर्ड की संदिग्ध हालत में हुई मौत को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

बीकानेर के विद्यार्थियों ने रोबोटिक बॉलिंग मशीन तैयार की

बीकानेर, (निसं)। टी-20 विश्वकप में भारत की जीत के बाद क्रिकेट प्रेमी उत्साहित हैं। वहीं अब क्रिकेट में बीकानेर का एक उत्पाद क्रांतिकारी बदलाव लेकर आ रहा है। इंजीनियरिंग कॉलेज ऑफ बीकानेर (ईसीबी) के विद्यार्थियों ने एक बॉलिंग मशीन तैयार की है, जो कई वजहों से अपने आप में अनोखी है। इस मशीन से न सिर्फ अधिकतम 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद बाहर निकलेगी, बल्कि उस गेंद में कितना घुमाव होगा, उसकी गति कितनी होगी और कोण कैसा होगा, यह सारा कुछ मशीन के सॉफ्टवेयर में लोड होगा। इससे बल्लेबाज न सिर्फ गेंद से प्रेक्टिस कर पाएगा, बल्कि वह स्पिन गेंदबाजी का भी अभ्यास कर सकेगा, यानी ऑफ स्पिन-लेग स्पिन के साथ बल्लेबाज इस गेंदबाजी मशीन से गुगली खेलने का भी अभ्यास कर पाएंगे। खास बात यह है कि इसकी विशिष्ट नियंत्रण प्रणाली से बॉल फीडर भी आसानी से कोच जैसा ही काम कर सकेगा। ईसीबी का इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग जल्दी ही इस मशीन के पेटेंट का भी दावा करेगा।

इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग के विभागाध्यक्ष हरजीत सिह बताते हैं कि स्वचालित बॉलिंग रोबोटिक सिस्टम को तीन हिस्सों में तैयार किया गया है। पहला बॉलिंग मोटर ड्राइविंग सिस्टम है। इसमें दो डीसी मोटर तथा ईएसपी-32 माइक्रोकंट्रोलर तथा मॉस्फेट आधारित नियंत्रण प्रणाली है। इसी माइक्रो कंट्रोलर से जुडे सेंसर फेंकी गई प्रत्येक बॉल की रफ्तार भी माप सकेंगे। दूसरा हिस्सा बॉल फीडर सिस्टम भी एक नियंत्रित डीसी मोटर आधारित है, जो बॉल की उपलब्धता, कोच या खिलाडी की मंशा अनुरूप समय पर बॉलिंग मशीन से करवाती रहती है। तीसरा इंटीग्रेटेड कंट्रोल सिस्टम है, जो कोच को बॉलिंग सिस्टम पर पूरा नियंत्रण प्रदान करता है। कोच एक ऐप के सहारे पूरा नियंत्रण रखते हुए अभ्यासरत बल्लेबाज के लिए बॉल की गति तथा स्पिन के प्रकार को पूरी तरह से नियंत्रित रख सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर राहुल राज चौधरी ने बताया कि छात्रों ने इंडस्ट्री ग्रेड के उत्पाद को न सिर्फ अपने आइडिया के साथ डिजाइन किया, बल्कि इसके प्रोटोटाइप को मूर्त रूप देकर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में एआई आधारित इंस्ट्रुमेंटेशन की सम्भावनाओं को प्रबल किया है।

न सिर्फ क्रिकेट, बल्कि इस सिस्टम को अपग्रेड करते हुए टेनिस जैसे अन्य खेलों में भी उपयोग किया जा सकेगा। डॉ. मनोज कुडी, प्राचार्य, ईसीबी ने बताया कि छात्रों की टीम ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति द्वारा मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा देने की मंशा को साकार करते हुए खेल क्षेत्र में एक बहुत उपयोगी सिस्टम का डिजाइन व विनिर्माण किया है। यह ईसीबी के छात्रों की काबिलियत को दर्शाता है।

प्रो. ऐके शर्मा, कुलपति बीटीयू का कहना है कि आधुनिक युग में तकनीक निर्माण ही समाज की प्रगति का मुख्य आधार है। बीटीयू में मल्टी डिसिप्लिन रिसर्च को बढ़ावा दिया जा रहा है। छात्रों तथा मेंटर शिक्षकों का नवाचार विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रहे अवैध निजी अस्पताल पर छापा

बीकानेर, (निसं)। पंजीकरण की शर्तों का उल्लंघन कर मनमाने ढंग से संचालित एक निजी अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की। नोखा के मस्जिद चौक में मेडिकल स्टोर की आड़ में अवैध रुप से एक निजी अस्पताल चलाया जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की टीम ने पुलिस जाब्ते के साथ जब बालाजी मेडिकल एवं जनरल स्टोर के नाम से संचालित निजी क्लिनिक पर छापा मारा, तो चौंकाने वाला सच सामने आया। यहां आगे मेडिकल स्टोर और पीछे पूरा अस्पताल चलाया जा रहा था। अस्पताल में पांच बेड का वार्ड बनाया था और उसमें एक महिला मरीज को भर्ती कर इलाज किया जा रहा था। इतना ही नहीं एक बंद कमरे का ताला खुलवाकर चेक किया गया, तो अधिकारी भी आश्चर्य चकित रह गए, अंदर पूरा लेबर रूम का सेटअप बनाया था। इसमें लेबर टेबल, लेबर उपकरण व अवैध दवाइयां पाई गई। वार्ड में भर्ती मरीज के पास बायो मेडिकल वेस्ट के लिए एक बाल्टी रखी थी, उसमें ग्लूकोज की खाली बोतलें पड़ी थी। महिला मरीज के पास इलाज से संबंधित कोई पर्ची नहीं मिली, ना ही अस्पताल में मरीज रजिस्ट्रेशन का रेकॉर्ड व रजिस्टर मिला। इस संबंध में अस्पताल में मौजूद संतोष जाट से पूछा, तो उसने बताया कि यह सब डॉक्टर साहब के अधीन हैं, लेकिन मौके पर ना कोई डॉक्टर मिला, ना ही डॉक्टर की उपस्थिति के कोई कागजात मिले। कार्रवाई टीम ने निजी अस्पताल को बंद करा दिया। बाद में बीसीएमओ डॉ. कैलाश गहलोत थाने पहुंचे और इस मामले की पूरी रिपोर्ट दर्ज कराई।

- **आगे मेडिकल स्टोर और पीछे पूरा अस्पताल चलाया जा रहा था**

सरदार जी का खेड़ा गांव की चारागाह भूमि पर बाहरी लोगों ने अतिक्रमण किया

अतिक्रमण करने से पशुपालकों को मवेशी चराने में परेशानी हो रही है

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के सरदार जी का खेड़ा गांव की चारागाह भूमि पर बाहरी लोगों ने आकर अतिक्रमण कर लिया है, जिससे पशुपालकों को मवेशी चराने में परेशानी हो रही है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने मांडलगढ़ एसडीएम और थानेदार को ज्ञापन दिया तथा अतिक्रमियों और ग्रामीणों के बीच खूनी संघर्ष की आशंका के चलते प्रशासन व पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

सरदारजी का खेड़ा निवासी रामलाल के नेतृत्व में ग्रामीणों द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया कि चारागाह की अधिकांश भूमि पर बाहरी लोग जो किशनजी का खेड़ा, आलिया, भगवान पुरा, पीपल्दा के कुछ प्रभावशाली लोगों ने धनबल और भुजबल के आधार पर स्थानीय कर्मचारियों से मिलीभगत कर गत तीन साल से अतिक्रमण किए हुए है। ज्ञापन में बताया कि चारागाह भूमि पर थूहर की बाउंड्री कर बड़े आकार में बाड़े बना लिए और खेती भी की जा रही है। बढ़ते अतिक्रमण से चारागाह की भूमि समाप्त होती जा रही है, जिससे पशुपालकों के मवेशी चारागाह में विचरण नहीं कर पा रहे हैं।

मांडलगढ़ के सरदारजी का खेडा गांव की चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन दिया।

ग्रामीणों का आरोप है कि आलिया गांव के भवानीलाल धाकड़ व त्रिवेणी गांव के रामचन्द्र मीणा ने चारागाह की भूमि पर जेसीबी मशीन लगाकर मिट्टी का अवैध खनन कर खुद के खेत में डलवा दी और कई ट्रैक्टर-ट्रॉली मिट्टी को बेच दिया। अवैध खननकर्ताओं ने चारागाह के सिमा पिलर भी उखाड़ कर फेंक दिए हैं। अवैध मिट्टी खनन से भूमि में बड़े-बड़े गड्ढे पड़ गए हैं, जिससे चारागाह का स्वरूप बदल गया है। मवेशियों के विचरण के लायक नहीं रखा है। इस मामले में ग्राम पंचायत और पटवारी को कई बार शिकायत भी की गई। फिर भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया है और न ही पटवारी द्वारा कोई कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों द्वारा अतिक्रमियों की शिकायत करने पर अतिक्रमी लड़ाई झगड़े पर उतारू हो जाते हैं।

- **अतिक्रमियों और ग्रामीणों के बीच संघर्ष की आशंका को लेकर एसडीएम और थानेदार को ज्ञापन दिया**

उक्त मामले को लेकर उपखण्ड अधिकारी अजित सिंह ने मांडलगढ़ तहसीलदार ललित डिडवानिया को अतिक्रमण की जांच कर हटाने के निर्देश दिए हैं। ज्ञापन देने में नंद सिंह, चान्दमल, गोपाल लाल, नारायण लाल, सोराम, कैलाश रेगर, हरजी रेबारी, हीरालाल, लादूलाल सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

जल जीवन मिशन के बंद पड़े कार्यों को शुरू करें : कलेक्टर

उदयपुर, (कासं)। घर-घर नल के माध्यम से पेयजल उपलब्ध करवाने की जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत जिले में प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मिनी सभागार में जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल के अध्यक्षता में हुआ। बैठक के दौरान कलेक्टर पोसवाल ने चालू वित्तीय वर्ष के एफएचटीसी (घरेलू नल कनेक्शन) प्रदान करने के तय लक्ष्य शीघ्र हासिल करने एवं जिले की रैंकिंग सुधारने संबंधित निर्देश प्रदान किये।

जिला कलक्टर ने जेजेएम कार्यों की भौतिक प्रगति भी जानी तथा

- **जिला कलेक्टर पोसवाल ने घरेलू नल कनेक्शन प्रदान करने के तय लक्ष्य शीघ्र हासिल करने के दिए निर्देश**

उदयपुर में जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत जिले में प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल।

विद्यालय एवं आंगनबाड़ियों में पेयजल की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। प्रगति उन्होंने कहा कि योजना के तहत स्वीकृत हुई विभिन्न परियोजनाओं के रुके हुए एवं बंद पड़े कार्यों को यथाशीघ्र पुन: प्रारंभ करावे एवं उन्हें पूर्ण करावे तथा बिना किसी कारण बंद पडे कार्यो के संबंध में संबंधित संवेदक को नोटिस जारी किए जाएं। पीएच डी अधिशासी अभियंता ललित कुमार नागौरी ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में तय लक्ष्य 28 हजार 98 एफएचटीसी कनेक्शन के विरुद्ध 15 हजार 188 एफएचटीसी कनेक्शन प्रदान किये जा चुके हैं। नागौरी ने बताया कि बकाया लक्ष्य शीघ्रता से हासिल करने के लिए विभाग द्वारा हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं और जिले की रैंकिंग सुधारने के संबंध में भी आवश्यक कार्रवा की जा रही है। बैठक में जिला परिषद के एसीईओ अंजुम ताहिर सम्मा, पीएचईडी एक्सईएन लालसिंह मीणा, एवी वीएनएल एक्सईएन आई.एम.मंसूरी, जिला परिषद एईएन आशीष धाकड़, एएसओ मीना दशोरा समेत पीएचईडी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

सार-समाचार

पौधारोपण का शुभारंभ

उदयपुर, (कासं)। लघु उद्योग भारती एवं रीको लिमिटेड के तत्वावधान में शुक्रवार को मादड़ी स्थित अरावली मिनरल एण्ड केमिकल इंडस्ट्रीज परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। जिला कलक्टर पोसवाल ने पौधा लगाकर औद्योगिक क्षेत्र में पौधरोपण का शुभारंभ किया। पूरे परिसर में 31 पौधे लगाए। वहीं जिला कलक्टर पोसवाल ने क्षेत्र के अन्य औद्योगिक परिसरों में पौधरोपण के लिए गड्ढा खोदने की मशीन और पौधों से भरे ऑटो को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व जिला कलक्टर ने कहा कि प्रकृति की रक्षा सामूहिक उत्तरदायित्व है। राज्य सरकार की ओर से राजस्थान की धरा को हरा भरा करने के लिए विशेष पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसमें हर आम और खास का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने आयोजकों से पौधों के समुचित संरक्षण की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। प्रारंभ में लघु उद्योग भारती उदयपुर के अध्यक्ष मनोज जोशी, अजय पाण्डे सहित अन्य ने जिला कलक्टर का स्वागत किया। इस अवसर पर जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक शैलेंद्र शर्मा, पीएचईडी एईएन यामिनी उपाध्याय, विद्युत निगम एईएन हरिप्रसाद शर्मा, लघु उद्योग भारती मादडी इकाई के सचिव अरुण कुमार, पौधारोपण कार्यक्रम के संयोजक धनेश जैन एवं मुकेश, कोषाध्यक्ष प्रकाश फुलानी, विजेंद्र बाफना, अरविंद अग्रवाल सहित लघु उद्योग भारती उदयपुर की सातों इकाइयों के अध्यक्ष और सचिव आदि उपस्थित रहे। आभार हेमन्त जैन ने व्यक्त किया।

दो ट्रक हड़पने का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। ऋणशुदा ट्रक किराए पर लेकर खुर्दबुर्द कर पीडित के साथ धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित कैलाशचन्द्र पुत्र शंकरलाल निवासी गोठडा सालवी सीकर हाल ढीकली रावत की घाटी प्रतापनगर ने आरोपी कालुराम मीणा निवासी भटेवर तथा भरतसिंह सोलंकी निवासी फतहपुरा उदयपुर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि गत दिनों आरोपी मेरे पास आए तथा मेरे दो ट्रक खरीदने की बात कही। सहमति बनने पर आरोपियों ने दोनों ऋणशुदा ट्रकों की किश्ते जमा कराने के बाद किराया देना तय कर ट्रक ले गए। गत दिनों बैक से बकाया ऋण किश्तों की उगाही करने की सूचना मिली। इस पर आरोपियों से संपर्क किया तो पता चला कि आरोपियों ने किश्ते जमा नहीं करवाई, पडताल की तो आरोपियों द्वारा ट्रकों को खुर्द बुर्द करने की जानकारी सामने आई। संपर्क कर पूछताछ की तो आरोपियों ने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला

उदयपुर, (कासं)। अम्बामाता थाना पुलिसे ने विवाहिता की मौत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित मोहनलाल पुत्र नवलराम डांगी निवासी पुला ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवया। जिसमें उसने बताया कि मेरी पुत्री ज्योति (28)पत्नी मुकेश डांगी निवासी वरडा से 2019 में शादी करवाई थी। पारिवारिक कलह के चलते सामाजिक स्तर पर विवाह विच्छेद होने के बाद एक वर्ष से पुत्री मेरे पास रह रही थी। 8 जून को पुत्री ने दवा पी ली थी। जिसकी दूसरे दिन उपचार के दौरान मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने मृग की कार्यवाही की थी। अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ पुत्री को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज किया गया। जिसकी जांच पुलिस उप अधीक्षक कैलाश चन्द्र खटीक कर रहे है।

होटल मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के सूरजपोल थाना पुलिस ने होटल मैनेजर व अन्य के खिलाफ महिलाओं को अवैध कारोबार करने के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित ने तोरण बावडी होटल मैनेजर ललित लौहार, साथी दिनेश माली तथा अजय पंड्या निवासी सीकर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवया। जिसमें पीडित ने बताया कि 3 जुलाई रात में गश्त के दौरान सूचना पर नेपाल, दिल्ली, मुंबई एवं कलकत्ता से आई महिलाओं से पडताल की तो सभी ने इवेंट का काम करवाने के बहाने होटल में ठाहकों के साथ अवैध संबंध बनाने की बात कही। इस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

सार-समाचार

वर्कशॉप का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल के मनोचिकित्सा विभाग की ओर से अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसोडर (एडीएचडी) विषय पर एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया।वर्कशॉप का उद्घाटन पीएमसीएच के ऐक्जिक्यूटिव डॉयरेक्टर अमन अग्रवाल, प्रिसिंपल एवं डीन डॉ.एम.एम. मंगल, मनोचिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.एस.जी मेहता ने मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन करके किया। वर्कशॉप में एडीएचडी क्या है, इसके लक्षण, कारण एवं उपचार के साथ इस बीमारी में क्या ध्यान रखना चाहिए आदि के बारे में विस्तार से बताया। मनोचिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.एस.जी मेहता ने इस बीमारी से पिडित बच्चों के उपचार में दवाई और साइकोथैरेपी की भूमिका पर प्रकाश डाला साथ ही बताया कि अगर बच्चें एवं उनके परिवार की काउंसिलिंग की जाए तो इस बीमारी के इलाज में काफी हद तक मदद मिलेगी। डॉ.मेहता ने बताया कि अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसोडर (एडीएचडी) बीमारी के इलाज में शिशू रोग एवं मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस दौरान एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एडीएचडी बीमारी की गंभीरता को मनोचिक्तिसक एवं मनोविज्ञान रेसिडेन्टस के द्वारा मंच पर बखूबी दर्शाया गया। वर्कशॉप में पीएमसीएच के सभी विभागों के विभागाध्यक्षों सहित प्रोफेसर,ऐसोसियेट प्रोफेसर,असिस्टेट प्रोफेसर एवं पीजी रेजिडेन्ट उपस्थित रहे।

जेवरात व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सूरजपोल थाना क्षैत्र में स्थित सूने मकान का चोर ताला तोड़ कर जेवर व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित जमनालाल पुत्र लक्ष्मीलाल सालवी ननिवासी ओड फला खेरादीवाड़ा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि 8 जून को परिजन मकान पर ताला लगा कर बाहर गए थे। 15 जून केा लौटे तो मकान का ताला टूटा हुआ था एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो सोने का टड्डा, बजण्टी, कंठी, चांदी के पायल, एक हजार रूपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवया। जिसकी जांच एएसआई प्रकाशचन्द्र कर रहे है।

उधार की नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। उधार की नकदी हडपने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जानकारी के अनुसार पीडित पिंकी प्रजापत पुत्र रोशनलाल प्रजापत निवासी शांतिनगर लालमगरी हिरणमगरी सेक्टर 7 ने आरोपी गणेशलाल मेघवाल पुत्र शंकरलाल मेघवाल निवासी शांतिनगर लालमगरी हिरणमगरी सेक्टर 7 के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि आरोपी ने आवश्यकता होने पर मुझसे 3 लाख रूपये उधार लिए और बदले में चैक दिया। निर्धारित समय पर रूपये नहीं देने पर मांग की तो आनाकानी करना शुरू कर दिया। गत दिनों संपर्क किया तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। इस पर चैक बैंक में प्रस्तुत किया तो अनादरित हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच हेडकांस्टेबल राजेशपाल को सौंपी है।

करंट से किशोर की मौत

उदयपुर, (कासं)। बकरियों को बचाने के दौरान करंट लगने से झुलसे किशोर की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोगुन्दा कस्बे के रावलिया कला बुझ गांव निवासी नाथू गमेती (15) पुत्र देवा गमेती की करंट से झुलसने पर मौत हो गई। नाथू गमेती गत दिनों खेत पर बकरिया लेकर चराने के लिए गया था। जहां विद्युत खंभे के समीप से बकरियों का हटा रहा था। इसी दौरान विद्युत तार छू जाने पर करंट लगने से वह झुलस गया। इसको देख परिजन गोगुन्दा चिकित्सालय ले गए।जहां से रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल मोहनसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

सड़क हादसे में महिला की मौत

उदयपुर, (कासं)। सविना थाना क्षैत्र में महिला की हादसे में मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार भीलों का बेदला हॉल सविना थाना क्षैत्र नेला तालाब के समीप रहने वाली वाली गोपीबाई पत्नी नारूजी गमेती की हादसे मे मौत हो गई। गोपीबाई अकेली रहती थी एवं शराब पीने की आदी थी। गुरूवार को नशे में गिरने पर सिर में चोट लगने से अचेत हो गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतका का पोस्टमार्टम करवा पुत्र तुलसीराम शव सौंप दिया।

'साइबर फ्रॉड व अपराधियों को कठोरता से निपटा जाएगा'

डबोक एयरपोर्ट पर गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढम और चित्तौड़ सांसद सी पी जोशी का स्वागत किया।

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह ने कहा कि सरकार आने के बाद अपराध का ग्राफ गिरा है। सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है साइबर फ्रॉड एवं अपराधियों को कठोरता से निपटा जाएगा। गृह राज्यमंत्री शुक्रवार को डबोक स्थित महाराणा प्रताप हवाई अड्डे पर जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अपराध मुक्त राजस्थान बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ रही है। पेपर लीक गिरोह पर नकेल के लिए स्पेशल टास्क फोर्स गठित की गई है। ऑपरेशन एन्टी वायरस के माध्यम से साइबर अपराधियों पर प्रभावी कार्रवा की जा रही है। पुलिस आधुनिकीकरण के लिए भी कदम उठाए गए हैं। इस अवसर पर डॉ राजवीर सिंह बेढम ने बताया कि इससे पूर्व श्री बेढम एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी के डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर विभिन्न समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा गुर्जर समाज के द्वारा गर्म जोशी से स्वागत किया गया। उसके उपरांत बेढम ने निवानिया गांव में देवनारायण भगवान के दर्शन किए। विभिन्न समाज के लोगों से चर्चा की। रास्ते में जगह जगह लोगों ने गृह राज्य मंत्री का स्वागत किया। बेढम ने सांवलिया सेठ के दर्शन करके पूजा अर्चना की एवं प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की। कार्यक्रम में विधायक लादू लाल पितलिया, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा , माँडल विधायक उदय लाल भडाणा, पूर्व विधायक मानसिंह, डॉ राजवीर सिंह बेढम, देवनारायण धाभा, भूपेंद्र धाभा, कालू गुर्जर, सरपंच किस्मत गुर्जर, शंकर भोपा, अंबालाल गुर्जर सुरेंद्र खटाना इत्यादि उपस्थित रहे।

इस्कॉन मन्दिर से प्रारम्भ होगी रथ यात्रा

उदयपुर, (कासं)। अन्तर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ इस्कॉन की ओर से आयोजित विशाल रथयात्रा महोत्सव के पूर्व इस्कॉन मन्दिर और रथ यात्रा मार्ग का गगांजल गुलाब जल गौमूत्र आदि से इस्कॉन भक्तो के द्वारा प्रक्षालन कर विधिवत मार्जन किया जायेगा।

इस अवसर पर प्रबंधक मायापुर वासी ने बताया कि अधिकांश पुजारी उडीसा के ब्रह्मचारी है। जो बारह महीने मन्दिर की प्रतिदिन स्वनिर्मित पोशाक,श्रृंगार बदल कर पधराते है। भोग प्रसाद अपने हाथो से बनाकर भोग लगाते है। उसी क्रम मे कल भगवान पूर्ण स्वस्थ होने पर, जगन्नाथ जी बलभद्र बहन सुभद्रा जी को और उनके रथ का गगांजल से मार्जन कर हाथो से निर्मित सुगंधित फूलमालाओ स्वर्णाभूषण धराकर श्रृंगार कर रथ मे विराजमान करेंगे। माताऐ बहने फूलमालाओ से मन्दिर और रथ को सजाने मे जुटी है। मन्दिर को फूलमालाओ व रंगबिरंगी लाईटो से जगमगाया है। रथ यात्रा मे सबसे आगे सजे हुए हाथी, घोडे ऊंट जीवन्त झांकिया चलेगें।

रथ के ऊपर सीमित ब्रह्मचारी वैष्णव ही रहेंगे। इस्कॉन भक्त पारम्परिक वेश-भूषा मे सिर पर कलशधारण कर साथ-साथ चलेगी वैष्णव भक्त प्रसाद वितरण आदि विभिन्न सेवाकार्य करेंगे। मायापुर वासी ने बताया कि रथ यात्रा का प्रमुख आकर्षण वृन्दावन का कीर्तन दल होगा जो आ गये है।

आवेदन की अवधि बढ़ाई

समीर की भूख हड़ताल खत्म

उदयपुर, (कासं)। राजकीय महाविद्यालय, बड़गांव में आवेदन की अंतिम तिथि 10 जुलाई तक बढा दी है। प्राचार्य प्रोफेसर अंजना गौतम ने बताया कि वर्तमान में इस महाविद्यालय को छात्र-छात्राओं के लिए 200 सीटें आवंटित है।

उदयपुर, (कासं)। मोहनलाल सुखाडिया विवि के प्रशासनिक भवन के बाहर छात्र नेता समीर मेघवाल के नेतृत्व में विभिन्न मांगों को लेकर जो भूख हडताल जारी थी। शुक्रवार को प्रशासन के द्वारा सभी मांगों को मानकर भूख हडताल समाप्त हो गई। छात्र नेता समीर मेघवाल निम्न मांगों के लिए भूख हडताल पर बैठे थे, जिसमें कला महाविद्यालय की पुस्तकालय का समय छात्रों के पढने के लिए बढाया जाए जो 10 से 5 से बढकर 8 से 6 तक कर दिया गया। महाविद्यालय के सभी विभागों में नई शिक्षा नीति के आधार पर आदेश जारी करके नई पुस्तकों की व्यवस्था जल्द ही पूर्ण कर दी जाएगी। सभी विद्यार्थियों की फीस को कम करने से संबंधित निर्णय विवि प्रशासन को पत्र लिखकर कम करने का आश्वासन दिया। छात्र नेता समीर मेघवाल ने प्रशासन को धन्यवाद अर्पित करते हुए सभी साथियों को भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

उदयपुर में जनवरी से अब तक 218 नमूनों की जांच

उदयपुर, (कासं)। हर व्यक्ति को शुद्ध आहार उपलब्ध कराने और मिलावटखोरों पर कडी नकेल कसने के संकल्प को लेकर राज्य सरकार की ओर से प्रारंभ किया गया शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान कारगर सिद्ध हो रहा है। उदयपुर सहित प्रदेश भर में अभियान के तहत हजारों खाद्य वस्तुओं के नमूनों की जांच की गई तथा अमानक पाए जाने पर संबंधित व्यापारियों और मिलावट खोरों के खिलाफ कडी कार्रवाई की जा रही है। इसके परिणाम स्वरूप आमजन को खाद्य वस्तुओं में मिलावटखोरी से निजात मिलने लगी है।

- **मुख्यमंत्री की पहल पर शुरू हुआ शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान,11.40 लाख का वसूला जुर्माना**

शुद्ध आहार पर सभी का अधिकार है। खाद्य सामग्री में मिलावट करना समूची मानवता के विरूद्ध अपराध है। हाल ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी खाद्य सामग्री में मिलावट पर चिन्ता व्यक्त करते हुए सरकार से सख्त कदम उठाने की अपील की है। दूसरी ओर राजस्थान सरकार इस दिशा में पहले ही गंभीर है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की कमान संभालते ही मिलावटखोरों पर अंकुश लगाने और आमजन को शुद्ध आहार उपलब्ध कराने का संकल्प व्यक्त किया। उसी संकल्प को शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के रूप में मूर्त रूप दिया जा रहा है। शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर कार्रवाईयां हो रही हैं। उदयपुर जिले में भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अभियान को पूरी गंभीरता से लेते हुए ताबडतोड कार्रवाई कर रहा है। जिले में 1 जनवरी से 30 जून 2024 तक खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने 288 खाद्य सामग्री उत्पाद, प्रसंस्करण और विक्रय स्थलों यथा किराणा दुकानों, होटल-रेस्टोरेंट्स, डेयरी आदि का सघन निरीक्षण किया। टीम ने खाद्य सामग्रियों के अब तक 218 नमूने लिए हैं। इनमें से 39 नमूने सब स्टैण्डर्ड और 2 नमूने अनसेफ पाए गए। विभाग ने अब तक 28 मामलों में संबंधितों के खिलाफ न्यायालय में प्रकरण दाखिल किए, जिनमें से 17 का निस्तारण करते हुए 11.40 लाख रूपए जुर्माना भी लगाया गया है। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के नेतृत्व में टीमें सतत निरीक्षण कर रही हैं। इससे मिलावटखोरों में हडकम्प सी मची हुई हैं।

वहीं खाद्य सामग्री विक्रेता भी मानक सामग्री विक्रय को लेकर अधिक सावचेत हुए हैं। परिणामस्वरूप आमजन को शुद्ध आहार उपलब्ध हो रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शंकर बामणिया तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक गुप्ता ने बताया कि उदयपुर जिले में लक्ष्य से अधिक निरीक्षण एवं सेम्पल कलेक्शन किया जा रहा है। जिले में जनवरी से जून माह तक 180 सेम्पल कनेक्शन का लक्ष्य रहा, इसके विपरित 218 नमूने लिए गए हैं। अभियान लगातार जारी रहेगा। खाद्य सुरक्षा टीमें सतत निरीक्षण करते हुए नमूने लेंगी और मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गीतांजली में नाईजीरियन रोगी का मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन

उदयपुर,(कासं)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में जन्मजात मोतियाबिंद की बीमारी से जूझ रहे रोगी का गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के नेत्र रोग विभाग ने अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक का उपयोग करते हुए सफल ऑपरेशन व लेंस प्रत्यारोपण कर स्वस्थ जीवन प्रदान किया। यहां चिकित्सा क्षेत्र में सभी उन्नत तकनीकों को अपनाकर कुशल टीम में विभागाध्यक्ष डॉ. लीपा मोहंती, डॉ अर्पित शर्मा एवं रेसिडेंट्स डॉ कौशंबी, डॉ गोविन्द, डॉ आकांशा व ओ.टी टीम, नर्स ने रोगी का सफलतापूर्वक इलाज किया।

- **रोगी की बाई आंख की स्थिति काफी खराब हो चुकी थी, रोगी को जन्म से ही मोतियाबिंद था**

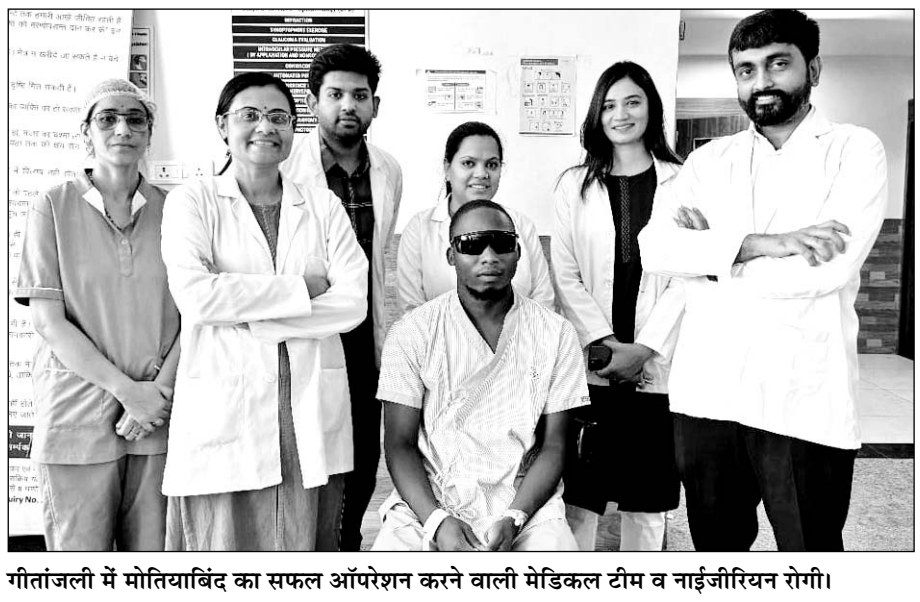

गीतांजली में मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन करने वाली मेडिकल टीम व नाईजीरियन रोगी।

रोगी अब्दुल अजीज (28) उदयपुर में फॉरेन नेशनल की तरह उदयपुर में पढ रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह अफ्रीका नाईजीरिया से हैं। उनकी बाईं आँख में जन्म से ही कम दिखाई देने की शिकायत थी और उम्र से साथ साथ ये शिकायत बढ रही था। डॉ लीपा ने बताया की हाल ही में इस तरह का केस उनके पास आया, उस समय पता चला की रोगी की बाईं आँख की स्थिति काफी खराब हो चुकी थी । रोगी को जन्म से ही मोतियाबिंद था, रोगी की सभी खून व आँख की आवश्यक जांचें की गयी तत्पश्चात रोगी की बाईं आँख के मोतियाबिंद का ऑपरेशन और साथ ही लेंस प्रत्यारोपण किया।

यह केस बहुत दुर्लभ व चुनौतीपूर्ण था। रोगी की सफल सर्जरी हुई तथा ऑपरेशन के अगले ही दिन रोगी की आँख की रोशनी वापिस आ गयी। रोगी ने बताया की वह अपने ऑपरेशन से बहुत खुश हैं, डॉक्टर्स और स्टाफ ने उनका बहुत ध्यान रखा, रोगी ने गीतांजली हॉस्पिटल को दिल से आभार व्यक्त किया और कहा कि वह अपनी आँख की रोशनी पाकर संतुष्ट है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
सूरजपोल बाहर, उदयपुर 313001, दूरभाष 0294-2417697
क्र.प्र.शि.नि./भण्डार/2024-25/720 दिनांक 05.07.2024

निविदा सूचना

प्रसार शिक्षा निदेशालय निम्न सीलबन्द निविदा आमन्त्रित करता है:-

क्र. सं.	विवरण	धरोहर राशि	निविदा शुल्क
1.	किसानघर की भोजन शाला में भोजन व्यवस्था हेतु UBN -ATU2425SSOB00071	10000/-	500/-
2.	विश्वविद्यालय अतिथिगृह की भोजन शाला में भोजन व्यवस्था हेतु UBN -ATU2425SSOB00072	10000/-	500/-
3.	किसानघर, अतिथिगृह, कृषि सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र, कार्यालय भवन एवं परिसर में सफाई कार्य हेतु UBN -ATU2425SSOB00070	8000/-	500/-

निविदा प्रपत्र, कार्यालय से कार्य दिवस पर कार्यालय समय में नकद/ड्राफ्ट जमा कराकर प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रारूप विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है जिसका शुल्क निविदा जमा कराते समय कार्यालय में जमा कराना होगा। निविदाएं दिनांक 19.07.2024 को दोपहर 12.30 बजे तक प्राप्त की जायेगी एवं निविदाएँ उसी दिन दोपहर 02.30 बजे खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाताओं को धरोहर राशि भी जमा करानी होगी। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय में कार्यालय समय में सम्पर्क कर सकते हैं।

निदेशक प्रसार शिक्षा

श्रद्धांजलि

24.10.1918 - 06.07.2000

24वीं पुण्यतिथि

श्रद्धेय स्व. वैद्य श्री घनश्याम जी शर्मा

निवासी श्रीमाधोपुर (सीकर) की 24वीं पुण्यतिथि 06.07.2024 पर सभी परिवारजन की ओर से

शत् शत् नमन् एवं सादर श्रद्धांजलि

कैलाश शर्मा (राष्ट्रदूत) एवं उमा शर्मा (से.नि.प्रधानाध्यापिका), नरेन्द्र शर्मा (से.नि.एयरफोर्स) एवं दीपशिखा, सत्यप्रकाश शर्मा (राष्ट्रदूत, जोधपुर) एवं ज्योति शर्मा (से.नि.प्रिंसिपल सी.सै.स्कूल) (पुत्र-पुत्रवधु), वीना एवं नरेन्द्र भारद्वाज (से.नि.भारतीय स्टेट बैंक) (पुत्री-दामाद), प्रशांत एवं प्रिया (पौत्र-पौत्रवधु) एवं समस्त परिवारजन

मोबाइल : 9829264308, 9829360428, 9462694531

हिंडौन सिटी में सवा तीन इंच बारिश दर्ज, दुकानों में दो फीट तक पानी भरा

खराब ड्रेनेज व्यवस्था की वजह से व्यापारियों ने नाराजगी जताई

हिंडौन सिटी, (निसं)। हिंडौन सहित आसपास के क्षेत्र में मानसून भले देरी से आया, लेकिन जब भी आया पूरे क्षेत्र को तर कर दिया। शुक्रवार को हुई बारिश से शहर में जगह-जगह जलभराव हो गया, जिससे स्थिति काफी खराब हो गई। करीब 81 एमएम (करीब सवा तीनन इंच) बारिश के बाद मौसम खुशनुमा हो गया लेकिन खराब ड्रेनेज सिस्टम की पोल खुल गई।

उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में इस वर्ष भीषण गर्मी का दौर रहा। गत लगभग दो सप्ताह से उमस की मार झेल रहे लोग बेहाल हो गए। पूरे क्षेत्र के लोग मानसून का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच मानसून पूर्व की बारिश में कुछ हल्की बूंदाबांदी जरूर हुई। गत दिवस देर शाम से आसमान में घने बादल छाए रहे और इसी बीच सुबह सात से बारिश का दौर शुरू हुआ दिन में लगभग दस बजे से बारह बजे तक दो घंटे जोरदार बारिश का दौर चला, जिससे पूरे शहर में जलभराव हो गया। कटरा बाजार स्थित दुकानों में करीब 1 से 2 फीट

हिण्डौन सिटी में बरसात होने से दुकानों में पानी घुस गया।

पानी भर जाने से दुकानदारों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ। खराब ड्रेनेज व्यवस्था की वजह से व्यापारियों ने नाराजगी जताई है। शहर में जल

- **बारिश के कई घंटों बाद भी सड़कों पर जलभराव की स्थिति बनी रही**

निकासी की व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। मानसून पूर्व खारी नाला की पर्याप्त सफाई नहीं होने से इस बारिश में भी जल निकासी की व्यवस्था फेल हो गई। सड़कों पर बारिश के कई घंटों बाद भी जलभराव बना रहा। किराना, वस्त्र, मिष्ठान और शूज की दुकानों में पानी भरने से काफी नुकसान हुआ। वहीं, बारिश से किसानों के चेहरे पर मुस्कान खिल गई। खरीफ फसलों में बाजरा, तिल आदि की बुवाई के लिए किसान काफी समय से अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे थे। गुरुवार शाम पांच बजे तक 15 एमएम बारिश दर्ज हुई थी, जबकि शुक्रवार को बारिश 81 एमएम दर्ज की गई। क्षेत्र में बारिश के बाद भी बादल छाए हुए हैं और लोगों को उमस से राहत मिली है।

टोंक में भारी बारिश, बीसलपुर बांध में तीन सेमी पानी आया

टोंक, (निसं)। जिले में इस साल मानसून की सबसे तेज बारिश गुरुवार रात से शुक्रवार तक हुई है। इसके चलते जहां बीसलपुर बांध में भी इस सीजन में पहली बार पानी की आवक हुई है। इसी के साथ बीसलपुर बांध का जल स्तर बीते 24 घंटे में 309.66 से बढ़कर 310.26 मीटर हो गया है। इससे लोगों के चेहरों पर खुशी है। वहीं जिले में 297.66 एमएम बारिश दर्ज हुई। इसके अलावा जिले के अन्य चांदसेन बांध, टोरडी सागर में भी 24 घंटे में ही ढाई-ढाई मीटर पानी की आवक हुई है। वहीं बीते 24 घंटे में सुबह 8 बजे तक जिले सबसे ज्यादा बारिश मालपुरा क्षेत्र में हुई है। उस क्षेत्र के चांदसेन रेन गेज सेंटर पर 270 एमएम बारिश दर्ज की गई है। इसी तरह पीपलू तहसील क्षेत्र में भी तेज बारिश से सड़कें दरिया बन गई है। अस्पताल, स्कूल टापू से बन गए हैं।

इसी बीच गुरुवार रात से जिले के अधिकांश हिस्सों में रुक-रुक कर कई तेज तो कई मध्यम गति की बारिश हो रही है। यह सिलसिला अभी भी जारी है। सबसे ज्यादा बारिश मालपुरा, पीपलू क्षेत्र में हुई है। इससे खेत खलियान भर गए। सड़कें दरिया बन गई। कई स्कूलों में पानी भर गया, हालांकि अभी किसी तरह का बड़ा नुकसान होना सामने आया है। पीपलू क्षेत्र के रा. उच्च प्राथमिक विद्यालय अतलिकपुरा (डोडवाडी), राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अलीनगर (बगडवा) में तेज बारिश के चलते स्कूल भवनों की छत टपक पड़ी।

बारिश के चलते करौली में कई कॉलोनियों के हालात बिगड़े

कई कॉलोनियों के हालात तो इतने बिगड़ गए कि कॉलोनी बारिश के पानी से जलमग्न हो गई

करौली, (निसं)। शुक्रवार दिनभर चले बारिश के दौर से नगर परिषद क्षेत्र की कई कॉलोनियों के हालात बिगड़ गए। एक-दो कॉलोनी के हालात तो इतने बिगड़ गए कि कॉलोनी बारिश के पानी से जलमग्न हो गई और मकानों में पानी घुसने से कुछ मकानों में दरार आने से मकान मालिक भयभीत है। जलमग्न हुई कॉलोनी में प्रमुख रूप से विवेक विहार कॉलोनी के करीब पांच दर्जन से अधिक मकान है जहां पानी की आवक अधिक होने और पानी की निकासी नहीं होने से कॉलोनी के लोगों में आपस में तनाव की स्थिति बनी हुई है। नगर परिषद प्रशासन पुलिस दल के साथ पानी की निकासी में करीब 4 घंटे की मशक्कत करने के उपरांत भी पानी की निकासी नहीं होने से स्थिति जस कि तस बनी हुई है। शुक्रवार को मौसम की झमाझम बारिश और गत दिन गुरुवार को भी हुई बारिश के पानी की निकासी नहीं होने से विवेक विहार कॉलोनी वासी गत 2 दिन से नगर परिषद प्रशासन के अलावा जिला कलेक्टर को अपनी समस्या से अवगत

- **पानी घुसने से कुछ मकानों में दरार आने से मकान मालिक भयभीत हो गए**
- **नगर परिषद प्रशासन पुलिस प्रशासन के साथ जेसीबी लेकर पानी की निकासी का प्रयास कर रहे हैं**

कराते हुए पानी की निकासी कि मांग कर रहे हैं। वहीं नगर परिषद प्रशासन 2 दिन से पुलिस प्रशासन के साथ जेसीबी मशीन को लेकर पानी की निकासी का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन कॉलोनी वासियो में आपसी सामंजस नहीं होने और एक दूसरे की ओर से पानी की निकासी नहीं होने देने से समस्या जस की तस बनी हुई है। शुक्रवार को नगर परिषद आयुक्त करणी सिंह परिषद के करीब 8 अधिकारी, कर्मचारी और दो जेसीबी मशीनों के साथ एवं कॉलोनी वासियों के आपसी विवाद को देखते हुए पुलिस बल के साथ पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम, कोतवाल सुनील कुमार, महिला-पुरुष कांस्टेबलों के जाप्ते के साथ करीब एक बजे विवेक विहार कॉलोनी पहुंचे लेकिन कॉलोनीवासियों के आपसी विवाद एक दूसरे की ओर से पानी निकासी के लिए तैयार नहीं हुए। जैसे-तैसे समझाईश के बाद प्रशासन ने पानी निकासी के लिए जेसीबी मशीन लगाकर काम चालू किया। तीन रास्तों से पानी निकासी का रास्ता बनाने के उपरांत भी पानी की निकासी नहीं होने पर कॉलोनीवासियो में आपसी विवाद की नौबत तक बन गई। इसके अलावा कॉलोनी वासियों ने नगर परिषद प्रशासन और पुलिस प्रशासन के द्वारा थोड़ी शख्ती बरतने पर कॉलोनी की महिलाएं जेसीबी मशीन के सामने आकर विरोध करने पर उतारू हो गई जिसको समझाइश कर जेसीबी मशीन से पानी निकासी शुरू कराया।

करौली में सवा चार, श्रीमहावीरजी में चार इंच बारिश हुई

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय सहित जिले में मानसून पूरी तरह मेहरबान है। लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को भी झमाझम बारिश का दौर चल रहा है। प्रात: करीब 7:30 बजे से रिमझिम बारिश का दौर शुरू हुआ। बारिश का दौर दोपहर 12 बजे तक लगातार चलता रहा इस बीच कभी धीमी तो कभी तेज गति से बारिश का

- **बारिश से सड़कें दरिया बन गई, वहीं नदी, तालाब और नालों में पानी की आवक जारी**

दौर चला। शुक्रवार को प्रात 8 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक करौली जिला मुख्यालय पर झमाझम बारिश हुई जिसके चलते सड़कें दरिया बन गई।

सिंचाई विभाग के अनुसार करौली में 114 एमएम (सवा चार इंच), श्रीमहावीरजी में 106 एमएम और हिंडौन में 81 एमएम बारिश दर्ज की गई है। इसके चलते क्षेत्र के नदी, तालाब और नालों में पानी की अच्छी आवक हो रही है। वहीं जिले के सबसे बड़े पांचना बांध में भी पानी की आवक हुई है। तेज बारिश के दौर के चलते मुख्यालय कि निचली

करौली में कलेक्ट्रेट सर्किल स्थित दुकानों में पानी भर गया।

कॉलोनी, बस्तियां के रास्ते पानी से लबालब हो गए। कई घरों में पानी घुस गया। इसके चलते लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उसके साथ ही प्रात: स्कूली बच्चों को स्कूल जाने में भी परेशानी हुई। बच्चे भीगते हुए स्कूल पहुंचे। वहीं कर्मचारियों को भी कार्यालय पहुंचने में देरी हुई। करौली जिला मुख्यालय पर विवेक विहार, एनएच-23 स्थिति मैगजीन क्षेत्र, कोर्ट के सामने, रामद्वारा के सामने गौशाला रोड, रेलवे रिजर्वेशन काउंटर के सामने सहित कई स्थानों पर जल भराव के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि आगामी दो दिन तक शहर के कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति होना संभव नहीं है। शहर के गणेश गेट बाहर स्थित पंप हाउस पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। उसके पेनल, मोटर पानी में डूबे हुए हैं। इसके अलावा होली खिडकिया टंकी और चौबेपाडा स्थित जलाशय से पेयजल आपूर्ति नहीं होगी।

न्यायाधीश एस. चन्द्रशेखर ने ली शपथ

राजस्थान हाईकोर्ट में अब हुए 33 न्यायाधीश, पर अभी 17 पद रिक्त हैं

जोधपुर, (कासं)। झारखंड हाईकोर्ट से स्थानांतरित होकर आए वरिष्ठ न्यायाधीश एस. चन्द्रशेखर को राजस्थान हाईकोर्ट में वरिष्ठ न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। शुक्रवार सुबह मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह मुख्य न्यायाधीश के न्यायालय कक्ष में आयोजित हुआ जिसकी लाइव स्ट्रीमिंग भी देखी गई। जयपुर पीठ के न्यायाधीश वीसी से जुड़े। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद विधि एवं न्याय मंत्रालय ने दो दिन पहले उनकी नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी।

झारखंड हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश एस. चंद्रशेखर का दो दिन पहले ही राजस्थान हाईकोर्ट में तबादला किया गया था। केंद्रीय विधि एवं विधिक कार्य विभाग मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन जारी करते हुए झारखंड हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस एवं वरिष्ठ न्यायाधीश एस चंद्रशेखर का स्थानान्तरण राजस्थान हाईकोर्ट में किया गया है। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने 29 दिसम्बर 2023 को न्यायाधीश एस चन्द्रशेखर का राजस्थान हाईकोर्ट तबादला करने की सिफारिश की थी। जस्टिस चन्द्रशेखर ने शपथ ग्रहण के साथ ही कार्यभार संभाल लिया। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मुख्य पीठ जोधपुर के सभी जस्टिस मौजूद रहे जबकि जयपुर पीठ के सभी जस्टिस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

25 मई 1965 को जन्मे न्यायाधीश चंद्रशेखर ने 1993 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से एल.एल.बी. की डिग्री ली थी और 9 दिसंबर 1993 को दिल्ली राज्य बार काउंसिल में वकील के रूप में नामांकित हुए। वे 2013 में झारखंड हाईकोर्ट, रांची के अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त हुए और 2023 से वे झारखंड हाईकोर्ट में कार्यवाहक

- **मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई**
- **जस्टिस चन्द्रशेखर झारखंड हाईकोर्ट से स्थानांतरित होकर आए हैं, उनके राजस्थान तबादले की सिफारिश सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने दिसम्बर 2023 में की थी**

मुख्य न्यायाधीश है।

राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस एस चंद्रशेखर के आगमन के बाद भी 17 न्यायाधीशों के पद खाली हैं। हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के 50 पद स्वीकृत हैं। हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश सहित 32 न्यायाधीश कार्यरत थे। अब जस्टिस एस चंद्रशेखर के बाद हाईकोर्ट में 33 न्यायाधीश हो गए हैं लेकिन उसके बाद भी 17 न्यायाधीशों के पद खाली हैं। जानकारी के अनुसार राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के सभी पद कभी भी नहीं भरे गए हैं। यहां न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या 38 से 40 के बीच ही रही हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट के अधिवक्ता विपुल सिंघवी को राष्ट्रपति द्वारा अपॉइंट किए गए पैनल में वित्त मंत्रालय के डीआरआई व जीएसटी इंटेलिजेंस केसों के लिए नियुक्ति किया है। उनकी सीनियर स्टैंडिंग काउंसिल के रुप में नियुक्ति की गई है। यहां पूर्व में भी विपुल सिंघवी सेवाएं दे चुके हैं। केंद्र सरकार के विधि मंत्रालय एवं वित्त मंत्रालय के सीनियर स्टैंडिंग काउंसिल के रूप में वह सेवाएं दे चुके हैं।

जहाजपुर पं. स. प्रधान सीता देवी को निलंबित किया

भीलवाड़ा, (निसं)। पंचायत राज विभाग के अतिरिक्त आयुक्त एवं शासन उप सचिव ॥ (जांच) ने एक आदेश जारी करते हुए जहाजपुर प्रधान सीता देवी गुर्जर को तुरन्त प्रभाव से प्रधान पद से निलम्बित कर दिया। यह खबर सुनते ही भाजपाइयों ने फटाके फोड़े और मिठाईयां बांटी।

आदेश मे बताया गया कि सीता देवी गुर्जर, प्रधान, पंचायत समिति जहाजपुर, जिला शाहपुरा (भीलवाडा) द्वारा राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 33 (क) एवं धारा 46 (1) में वर्णित प्रावधानों की पूर्णत: पालना सुनिश्चित नहीं करने के आरोप विभागीय जांच रिपोर्ट में प्रमाणित पाये गये हैं, जिसके लिए सीता देवी गुर्जर, प्रधान, पंचायत समिति जहाजपुर उत्तरदायी हैं। इस संबंध में प्रधान को आरोप पत्र भी दिया गया है। राज्य सरकार राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 38 (4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते

- **'इस निलम्बन के खिलाफ सड़क से लेकर न्यायालय तक लड़ाई लड़ेंगे'**

हुए एतद् द्वारा सीता देवी गुर्जर, प्रधान, पंचायत समिति जहाजपुर, जिला शाहपुरा (भीलवाड़ा) को तुरन्त प्रभाव से प्रधान पद से निलम्बित करने के आदेश जारी किये। निलम्बन काल में वे पंचायत समिति, जहाजपुर के किसी कार्य एवं कार्यवाही में भाग नही लेंगी।

कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर ने प्रधान सीता देवी गुर्जर को निलम्बित करने पर कहा कि राज्य सरकार ने राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित होकर एक तरफा कार्यवाही करते हुए मिथ्या आरोपों के नाम पर प्रधान सीता देवी गुर्जर को निलम्बित करने का कार्य किया है और इस निलम्बन के खिलाफ सड़क से लेकर न्यायालय तक लड़ाई लड़ेंगे। विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा कि राज्य सरकार ने जनहित व जहाजपुर की जनता हित में अच्छा निर्णय लिया है। उन्होंने तीन सालों के कार्यकाल में जो अनियमितताएं व भ्रष्टाचार किया, उनकी जांच के उपरांत ही सरकार ने यह निर्णय लिया है।

खेतड़ी में तेज बारिश हुई, पानी के तेज बहाव में व्यक्ति बहा

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही बरसात से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। कस्बे के ऐतिहासिक भोपालगढ़ के किले पर झरने चलने से लोग नहाने के लिए पहुंचने लगे हैं। गुरूवार शाम को बारिश के दौरान मुख्य बाजार में ढलान क्षेत्र का पानी आने से रास्ते में चल रहा एक व्यक्ति बहने लगा। इसके बाद आसपास के व्यापारियों ने उसे बचा लिया।

खेतड़ी कस्बे में पहाड़ी का पानी मुख्य बाजार में आम रास्ते से होकर गुजरता है, जो पानी की आवक अधिक होने पर तेजी से पानी बहता है। कस्बे के टोड़ी मौहल्ला निवासी विजेश बरसात में मुख्य रास्ते से गुजर रहा था। इस दौरान वह तेज बहाव के साथ पानी में गिर गया और पानी के साथ बहने लगा। विजेश पशु अस्पताल में काम करता है। वह घटना के दौरान अपने घर जा रहा था। व्यापारियों ने बताया कि पानी में बहने से उसके चोटें भी आई हैं। जिसके बाद उसका उपचार करवाया गया। पानी में यदि व्यापारी पानी में बह रहे व्यक्ति को नहीं बचाते तो बड़ा हादसा हो सकता था।

शहर में गुरुवार दोपहर से रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी है। शहर में तेज बारिश के बाद तापमान में गिरावट हुई और अब तक कुल 44 एमएम बारिश दर्ज की गई। वहीं शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। करीब आधे घंटे तक हुई तेज बारिश के बाद क्षेत्र के बहाव क्षेत्र की गलिया उफनती नदियों में तब्दील सी हो गई। बरसात के पानी से जगह-जगह गलियों में कई रास्ते जलमग्न होने से आवागमन बाधित हो गया। खेतड़ी के अलावा आसपास के क्षेत्र में बरसात होने से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है तथा मौसम भी सुहाना हो गया है।

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-निदे/अ.ख.स.अ.नीलामी/निलामी (ML Bajri-IV)/2024/ई-07123
ई-नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली 2017 के अध्याय-III के तहत विभाग के अप्रधान खनिजों के खननपट्टों के आवंटन के लिए 12 प्लॉट ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर खुली बोली आमंत्रित की जाती हे। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

क्र.सं.	जिला	ग्राम (तहसील)	खनिज	कुल प्लॉट
1	ब्यावर	रायपुर-I, झूठा, कुणालपुरा (रायपुर)	बजरी	2
2	नागौर	झिंटिया, सुरियास, रियाबडी (रियाबडी)	बजरी	2
3	फाली	सोनाईमाजी (पाली)	बजरी	2
4	जोधपुर (ग्रामीण)	संत लिखमाराम, लाखडथुम्ब (लूणी)	बजरी	2
5	बालोतरा	कनाना (पचपदरा)	बजरी	2
6	भीलवाडा	जवासियां, सायला, बरडोद (हमीरगढ)	बजरी	1
7	चित्तौडगढ	आकोला, चौकडी, बाबरिया खेडा, बडवई, जोयड (भूपालसागर)	बजरी	1

विशेष नोट-1. प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाई www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेट फार्म प्रदाता कंपनी (MSTC Ltd. की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

(भगवती प्रसाद)IAS
निदेशक
DIPR/C/5405/2024

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/सामान्य शाखा/2024/1724 दिनांक :- 04.07.2024
-: ई-निविदा सूचना-2024-25 :-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 19.07.2024 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक (DLB2425SLOB02421) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/24/1792 आयुक्त, नगर परिषद सुजानगढ

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति "विशिष्ट श्रेणी" बारां (राज0)
क्रमांक:-947 दिनांक :- 03.07.2024
बिड आमंत्रण सूचना संख्या 01/2024-25

कृषि उपज मण्डी समिति बारां के सुरक्षा व्यवस्था ठेका (अनुमानित लागत 120.00 लाख रूपये) हेतु सुरक्षा कर्मीयों की आपूर्ति के कार्य के अन्तर्गत पंजीकृत संवेदकों/सहकारी संस्थाओं/स्वयं सेवी संस्थाओं से ठेका पद्धति पर ऑनलाईन निविदा ई-प्रोक्यूरमेंट (www.eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से दिनांक 24.07.2024 दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. DAM2425SLRC00359

सचिव
राज.संवाद/सी/24/1819 कृषि उपज मण्डी समिति, बारां

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
क्रमांक-सं.वि.सं. 06/EXAM/A.C.P. (Deputy Director)/EP-I /2024-25 दिनांक-05.07.2024

आयोग द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग हेतु राजस्थान कम्प्यूटर राज्य एवं अधीनस्थ सेवा नियम, 1992 के अन्तर्गत एनालिस्ट-कम-प्रोग्रामर/उप निदेशक (Analyst-Cum-Programmer/Director) के 45 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदो हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2025 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिए।
आवेदन अवधि	दिनांक 16.07.2024 से दिनांक 14.08.2024 रात्रि 12.00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथा समय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए। DIPR/C/5577/2024 राम निवास मेहता, सचिव

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, संभाग प्रथम-जोधपुर
क्रमांक-837 दिनांक-01.07.2024
अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 03/पीएमजीएसवाई/2024-25
NIB NO. PWD2425A0485

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत जारी वित्तीय प्रोत्साहन राशि से सडक नवीनीकरण कार्य के निम्नलिखित कार्यो मय पांच साल की मरम्मत के लिए 1 पैकेज हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://pwd.rajasthan.gov.in व http://pmgsytendersraj.gov.in पर देखा जा सकता है। पैकेजवाईज यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।
1. PWD2425WSOB01878

इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://pmgsytendersraj.gov.in पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है।

(देवीलाल आर्य)
अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता,
DIPR/C/5327/2024 सा.नि.वि. संभाग प्रथम, जोधपुर

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान
आबकारी भवन 2-गुनियावाला, पंचवटी, उदयपुर-313001
क्रमांक-F.32(B)(1)(AP)EX/L/2024-25-03000part(6)/1011 दिनांक 05.07.2024
पडत मदिरा की रिटेल ऑफ कम्पोजिट दुकानों के अनुज्ञापत्र हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2024-25 के अनुसार पडत रही कम्पोजिट मदिरा दुकानों के लिए ई-निविदा प्रक्रिया से बन्दोबस्त करने हेतु निम्नानुसार ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

1	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन डाउनलोड करने की दिनांक व समय	दिनांक 06.07.2024 अपरान्ह 3.00 बजे से
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 09.07.2024 सायं 5.00 बजे तक
3	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक, समय व स्थान	दिनांक 09.07.2024 को सायं 5.30 बजे से संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय।

ई-निविदा में भाग लेने की शर्ते-
1. यह निविदा वेबसाईट https://www.sppp.rajasthan.gov.in तथा विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर देखी/डाउनलोड की जा सकती है। उक्त निविदाएं बेबसाईट https://www.eproc.rajasthan.gov.in पर प्रस्तुत की जानी है। ई-निविदा में भाग लेने के लिए डिजिटल सर्टिफिकेट, इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 के तहत प्राप्त करना होगा, जो इलेक्ट्रोनिक निविदा में लॉगिन / साइन करने हेतु काम में आयेगा। निविदादाता उपरोक्त डिजिटल सर्टिफिकेट सीसीए (CCA) द्वारा स्वीकृत एजेन्सी से प्राप्त कर सकते है। जिन निविदादाताओ के पास पूर्व में वैध डिजिटल सर्टिफिकेट है, उन्हे नया सर्टिफिकेट लेने की आवश्यकता नही है।
2. देशी मदिरा, राजस्थान निर्मित मदिरा (RML), भारत निर्मित विदेशी मदिरा (IMFL) एवं बीयर की कम्पोजिट दुकानों का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, अनुमानित गारण्टी राशि, अमानत राशि, धरोहर राशि, पंजीकरण शुल्क का विवरण विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।
3. ई-निविदा में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा मदिरा दुकान का फार्म डाउनलोड करके फार्म के साथ 3 प्रकिया शुल्क, आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि के चालान राजकोष में ऑनलाईन / ऑफलाईन जमा करवाकर चालानों की प्रति अपलोड करनी होगी। इन राशियों के जमा नही होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदादाता को निम्नलिखित राशियां उनके सामने उल्लेखित राजकोष मद में जमा करवानी होगी :-

क्र.सं.	विवरण	राशि (रूपये में)	राजकोष लेखा मद
1	RISL की प्रक्रिया पंजीकरण शुल्क	रू. 2000/-	8658-00-102-(16)-01 (सिविल विभाग)
2	आवेदन शुल्क	निविदा के संबंध में जारी दिशा- निर्देश एवं शर्तों की शर्त संख्या 6.11 के अनुसार रू. 10,000/- से लेकर रू. 20,000 तक (अनुमानित गारण्टी राशि के अनुसार)	0039-00-501-01-00 (आवेदन शुल्क)
3	अमानत राशि	अनुमानित गारण्टी राशि की 2 प्रतिशत	8443-00-103-00-00 (प्रतिभूति जमा)

ई-प्रोक पोर्टल से प्रकिया शुल्क, निविदा शुल्क एवं अमानत राशि का एक चालान जनरेट करने पर लेखा मद 0075-00-800-52-01 (निविदा प्रपत्र शुल्क) में राशि रू. एक रूपया जमा करवाकर आवेदन शुल्क का चालान पृथक से राजकोष में मद 0039-00-501-01-00 में जमा करवाया जा सकता है।
4. अनुमानित गारण्टी राशि से कम राशि की निविदा प्राप्त होने पर स्वीकृति के संबंध में सक्षम स्तर से निर्णय लिया जायेगा। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने के समस्त अधिकार आबकारी आयुक्त को होगें।
5. स्वीकृत निविदादाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-निविदा के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तों, जो विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, के अनुसार जमा करानी होगी।
6. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा-धरोहर राशि, अठिाम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
7. मदिरा दुकानों के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-निविदा में भाग ले सकेंगें, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2024-25 व भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश, आबकारी नीति वर्ष 2024-25 तथा प्रारूप अनुज्ञापत्र इत्यादि https://excise.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, जिनका ई-निविदा में भाग लेने से पूर्व भली भाँति अध्ययन कर लेना चाहिए। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
8. ई-निविदा के संबंध में अन्य प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2024-25 एवं राजस्थानआबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेगे।
9. ई-निविदा के संबंध में यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है तो न्यायिक क्षेत्र संबंधित जिला ही रहेगा।

(अंश दीप)
DIPR/C/____/2024 आबकारी आयुक्त, राजस्थान

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति भीनमाल जिला जालोर (राज.)
E-mail- psbhinmal@yahoo.co.in, egsmis.bnm@gmail.com, Phone-02969-222230
क्रमांक-एफ( )पसभी/लेखा/वाहन नीलामी/2024-25/172 दिनांक-24.06.2024
वाहन नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पंचायत समिति भीनमाल की निजी आय से क्रय की गई नॉन ए.सी. वाहन बोलेरो को नाकारा घोषित किये जाने पर जिस हालत में है उसी हालत में सार्वजनिक नीलामी बोली द्वारा गठित कमेटी के समक्ष पंचायत समिति भीनमाल के परिसर में दिनांक 16.07.2024 वक्त 2 पी.एम. पर नीलाम किया जाना है इच्छुक बोलीदाता दिनांक 16.07.2024 वक्त 12 पी.एम. तक 500/- रूपये का नीलामी शुल्क एवं 30,000/- रूपये धरोहर राशि बाबत जमा करवाकर नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते है। नीलामी प्रक्रिया से संबंधित शेष शर्ते कार्यालय या http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

वाहन रजिस्ट्रेशन नंबर	वाहन का प्रकार	इंजन नंबर	चैसिस नंबर	वाहन मॉडल	वाहन का क्रय मूल्य	नीलामी स्थल
RJ-16UA-1932	Bolero Lx MDI TC 2WD	GHA4M 62725	MAIPL2GH KA2M90737	2010	5,85,000/- रू.	पंचायत समिति भीनमाल

NIB NO. ZJR2425A0040, UBN NO. ZJR2425GSOB00037
(किरण भारतीय) (हेमाराम)
प्रधान विकास अधिकारी
पंचायत समिति भीनमाल DIPR/C/5333/2024 पंचायत समिति भीनमाल

फर्जी डिग्री और खेल प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में दो वि.वि. के मालिक सहित तीन गिरफ्तार

ओ.पी.जे.एस. यूनिवर्सिटी के संचालक जोगेन्द्र सिंह की गर्लफ्रेंड सरिता कड़वासरा को भी रोहतक से गिरफ्तार किया है

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी डिग्री और खेल प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में शुक्रवार को ओपीजेएस विश्वविद्यालय, सनराईज विश्वविद्यालय अलवर, एमके विश्वविद्यालय पाटन गुजरात के मालिकों को गिरफ्तार किया है। साथ ही एक आरोपी की गर्लफ्रेंड को भी रोहतक से हिरासत में लिया है। पूछताछ में सामने आया है कि इन संचालकों ने सभी रिकॉर्ड जला दिए हैं। फिलहाल एसओजी की टीम गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने के साथ मामले में जुड़े अन्य लोगों को पकड़ने के लिए दबिश दे रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एसओजी वी के सिंह ने बताया कि फर्जी डिग्री जारी करने वाली ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के संचालक जोगेन्द्र सिंह (55) पुत्र ओमप्रकाश दलाल निवासी रोहतक हरियाणा और सनराइज एंड एमके यूनिवर्सिटी के संचालक जितेन्द्र यादव (38) पुत्र जिले सिंह निवासी नारनौल, हरियाणा को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के संचालक जोगेन्द्र सिंह की गर्लफ्रेंड सरिता कड़वासरा (50) पुत्री धर्मवीर सिंह को भी रोहतक से गिरफ्तार किया है।

दोनों आरोपियों को एसओजी की ओर से जांच के दौरान चूरू के राजगढ़ में स्थित ओपीजेएस यूनिवर्सिटी बुलाया गया था। जांच के बाद फर्जीवाड़े का पता चलने पर आरोपियों को पूछताछ के लिए जयपुर लाया गया। पूछताछ पूरी होने पर शुक्रवार सुबह दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

परिस देशमुख ने बताया कि एसओजी को चूरू के राजगढ़ स्थित ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के खिलाफ फर्जी डिग्री जारी करने की काफी शिकायतें मिली थी। जांच में सामने आया है कि साल 2013 में ओपीजेएस यूनिवर्सिटी शुरू हुई थी। सरिता कड़वासरा साल 2013 से 2015 तक इस यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार के पद पर रही है।

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी डिग्री और खेल प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में शुक्रवार को ओ.पी.जे.एस. विश्वविद्यालय, सनराईज विश्वविद्यालय अलवर, एमके विश्वविद्यालय पाटन गुजरात के मालिकों को गिरफ्तार किया है।

- ओ.पी.जे.एस. यूनिवर्सिटी के संचालक जोगेन्द्र सिंह और सनराइज एंड एम.के. यूनिवर्सिटी के संचालक जितेन्द्र यादव को गिरफ्तार किया।
- पूछताछ में सामने आया है कि इन संचालकों ने सभी रिकॉर्ड जला दिए हैं।
- जांच में सामने आया है कि दलालों के जरिए फर्जी डिग्री बांटने का खेल चल रहा था। बिना मान्यता के भी यूनिवर्सिटी की ओर से फर्जी सर्टिफिकेट और डिग्री जारी की गई।

इसके बाद 2017 से 2020 तक वह चेयरपर्सन रही थी। डीआईजी ने बताया कि 2015 से 2020 तक जितेंद्र यादव सनराइज एंड एमके यूनिवर्सिटी का संचालक बनने से पहले ओपीजेएस विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार के पद पर रहा। इस दौरान विश्वविद्यालय की ओर से हजारों की संख्या में फर्जी डिग्री जारी की गई।

देशमुख ने बताया कि साल-2020 में आरोपी जितेंद्र यादव ने ओपीजेएस यूनिवर्सिटी की पार्टनरशिप छोड़ दी। उसके बाद उसने अलवर में खुद की सनराइज यूनिवर्सिटी खोल ली। कुछ समय बाद ही एमके यूनिवर्सिटी गुजरात के पाटन में खोली। इसके बाद बूंदी में एक नई जीत यूनिवर्सिटी खोलने की तैयारी चल रही थी। मान्यता अभी सरकार से नहीं मिली थी। वहीं, आरोपी जोगेन्द्र सिंह शाहबाद (बारां) में वैदिक विश्वविद्यालय खोलने की तैयारी में था। इसका कैम्पस बनकर तैयार हो गया है।

पुलिस ने जब इनसे पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि 2015 से 2020 की डिग्री का रिकॉर्ड जलने के कारण खत्म हो गया है। जांच में सामने आया है कि दलालों के जरिए फर्जी डिग्री बांटने का खेल चल रहा था। बिना मान्यता के भी यूनिवर्सिटी की ओर से फर्जी सर्टिफिकेट और डिग्री जारी की गई।

परिस देशमुख ने बताया कि जांच में सामने आया है कि आरोपी यूनिवर्सिटी संचालकों की ओर से एडमिशन में भी फर्जीवाड़े किए। बेक डेट में एडमिशन दिए गए हैं। दलालों के साथ मिलकर फर्जी खेल प्रमाण-पत्र जारी करने का बिजनेस किया गया। गलत तरीके से गेम खिलाकर फर्जी खेल प्रमाण-पत्र देकर एडमिशन दिए गए। इन्होंने अपनी जालसाजी छिपाने के लिए 2016 से 2020 तक का रिकॉर्ड जला दिया है।

उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी में टीचर्स के बारे में रिकॉर्ड देखने पर भी फर्जीवाड़ा सामने आया। विश्वविद्यालय में 27-28 लोगों का सैलेरी अकांउट है। इनमें से 8-10 नॉन टीचर स्टाफ हैं। यहां चलने वाले कोर्स की संख्या 18 है। इन्हें करवाने के लिए यूनिवर्सिटी के पास 27-28 लोग ही हैं। ये भी बड़ा फजीवाड़ा है। यूनिवर्सिटी का काम सिर्फ फर्जी डिग्री बांटने का था। आरोपी जोगेन्द्र सिंह के खिलाफ पूर्व में दो केस दर्ज हैं। इसमें गिरफ्तार भी हो चुका है।

देशमुख ने बताया कि राजस्थान के विभिन्न डिपार्टमेंट में फर्जी डिग्री दिखाकर लोग जॉब कर रहे हैं। शिक्षा विभाग को इस संबंध में अवगत करवाया गया है। विभाग की ओर से दोबारा वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जांच में सामने आया है कि विश्वविद्यालय की ओर से सबसे ज्यादा फर्जी डिग्री नॉर्थ इंडिया में बांटी गई है।

यूनिवर्सिटी की ओर से सौदा तय होने पर एडमिशन दिखाकर फर्जी डिग्री बांटी गई। फर्जी डिग्री देने के दौरान स्टूडेंट्स से 50-60 प्रतिशत ज्यादा रकम की डिमांड की जाती थी। स्टूडेंट्स सौदे की रकम देने की जिद करते थे, तो उन्हें डिग्री दे दी जाती थी, लेकिन सरकारी जॉब के लिए विभाग की ओर से जब डिग्री का वेरिफिकेशन किया जाता था तो विभाग को मना कर दिया जाता था। परेशान होकर स्टूडेंट यूनिवर्सिटी से दोबारा कॉन्टैक्ट करते थे और इसके बाद यूनिवर्सिटी उनसे ज्यादा पैसा वसूलती थी। रुपए देने पर दोबारा विभाग को विश्वविद्यालय की तरफ से गलती से रिपोर्ट भेजने का जबाव देकर वेरिफिकेशन करवा दिया जाता था।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर से मुलाकात की। शुक्रवार को नजीर के अजमेर पहुंचने पर देवनानी ने सर्किट हाउस में उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। देवनानी की नजीर से यह शिष्टाचार भेंट थी।

मोहन लाल लाठर मुख्य सूचना आयुक्त बने

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में मोहन लाल लाठर को नियुक्ति प्रदान की है। राज्यपाल ने इसके साथ ही सुरेश चंद गुप्ता, महेंद्र कुमार पारख और टीकाराम शर्मा को सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्ति प्रदान करने के आदेश जारी किए हैं। राज्यपाल मिश्र ने राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त और आयुक्त पदों के अंतर्गत इनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने से 3 वर्ष की अवधि अथवा 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो के लिए की है।

पोस्टर का विमोचन

जयपुर। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत 8 अगस्त को आयोजित होने वाले अमृत पर्यावरण महोत्सव के जन जागरण पोस्टर का विमोचन मुख्यमंत्री कार्यालय में पोस्टर का विमोचन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने किया।

चोरी के सात वाहनों के साथ दो बदमाश पकड़े

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने श्याम नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है और साथ ही उनके पास से चोरी के सात दुपहिया वाहन बरामद किए है। वही एक शातिर वाहन चोर मौके से फरार हो गया। जिसकी पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश मार तलाश कर रही है। साथ ही गिरफ्तार वाहन चोरों से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त अपराध दिग्गंत आनंद ने बताया कि सीएसटी ने शामिल इलाके में कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले शिव चौधरी और सोनू बंजारा को गिरफ्तार किया है। दोनों ही आरोपी करणी विहार जयपुर के रहने वाले हैं। जिनके पास से चुराए गए सात दुपहिया वाहन जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों का एक साथी विष्णु मीणा फिलहाल फरार चल रहा है जिसकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी शिव सिंह चौधरी करणी बिहार थाना इलाके का हिस्ट्रीशीटर है।

नगरीय विकास कर समिति की बैठक आयोजित

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की नगरीय विकास कर समिति की बैठक शुक्रवार को पन्नाधाय सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा नगरीय विकास कर के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। नगरीय विकास कर समिति के चैयरमेन विकास बारेठ की अध्यक्षता में हुई बैठक में समिति के सदस्यों में मोहित कचौलिया, छोटू राम मीणा, नवीन खटीक, छोटा देवी, मोतीलाल मीणा, संजय सिंह, जनार्दन शर्मा उपायुक्त राजस्व (प्रथम), सरिता चौधरी, सचिव, नगरीय विकास कर समिति, अरविन्द सैनी राजस्व अधिकारी, नगरीय विकास कर, राकेश शर्मा, राजस्व निरीक्षक इत्यादि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. किरोड़ी को मनाने के प्रयास होंगे!

डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा के समर्थन में आए कई मंत्री

जयपुर। कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे को लेकर भाजपा में सियासी हलचल मची हुई है। पूर्व मंत्री और दौसा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी कन्हैयालाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से डॉ मीणा का इस्तीफा स्वीकार नहीं करने की मांग की है। वहीं राज्य सरकार के मंत्री भी किरोड़ी की मुख्यमंत्री तथा संगठन से नाराजगी नहीं होने का हवाला देकर उनके राज्य और जनहित में काम करने की बात कही है। वहीं डॉ मीणा ने नई दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। राज्य के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा के मंत्रिमंडल से इस्तीफे के बाद भाजपा और राज्य सरकार में उथल पुथल मची हुई है। इस्तीफे के बाद होने वाले डेमेज को लेकर भी संगठन और सत्ता दोनों ही विचार विमर्श कर रहे हैं, यही कारण है कि डेमेज कंट्रोल को लेकर कवायद भी शुरू हो चुकी है। डॉ किरोडी लाल को समझाने के प्रयास शुरू किए जा रहे हैं। इनमें सबसे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंत्री किरोड़ीलाल मीणा को मिलने दिल्ली बुलाया। मीणा ने दिल्ली में नड्डा के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। हालांकि दोनों के बीच हुई बातचीत की जानकारी नहीं मिल पाई है।

वहीं दौसा से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले कन्हैयालाल मीणा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर डॉ मीणा का इस्तीफा नहीं स्वीकार करने का आग्रह किया है। मीणा ने मुख्यमंत्री से कहा कि डॉ मीणा राजस्थान में जनसंघर्ष के प्रतीक हैं, उनका पूरा जीवन गरीब मजदूर, दलित आदिवासी पिछड़ा युवा सहित सर्व समाज के प्रत्येक पीडित की समस्या निवरण के लिए संघर्ष किया। डॉ मीणा के नेतृत्व में सम्पूर्ण सामर्थ्य से कार्यकर्ताओं ने काम किया। कांग्रेस के संविधान खतरे तथा आरक्षण खत्म होने की भ्रामक प्रचार से हार का सामना करना पड़ा। डॉ मीणा का मंत्री पद से इस्तीफा देना उनकी भावुकता और वचनबद्धता को दर्शाती है। लेकिन ऐसे संघर्षशील व्यक्ति का मंत्री पद पर बने रहना आवश्यक है। कार्यकर्ताओं और जनता के साथ मीणा ने डॉ किरोड़ी का इस्तीफा अस्वीकार करने की मांग की है।दूसरी ओर डॉक्टर मीणा का इस्तीफा स्वीकार नहीं करने के समर्थन में कई मंत्री भी उतरे। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि डॉ मीणा की न मुख्यमंत्री और न ही संगठन से कोई नाराजगी है। मीणा सरकार और संगठन के साथ हैं, सब मिलकर राज्य और जनहित में काम करेंगे।

वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि डा किरोडीलाल वरिष्ठ नेता हैं संघर्ष के प्रतीक हैं। अभी इस्तीफा दिया या नहीं यह पता नहीं है। लेकिन वो सरकार और संगठन हित में काम करते रहेंगे। जनहित में के मुद्दों को लेकर काम करते रहेंगे। गृहराज्य मंत्री जवाहर बेढम ने कहा कि मीडिया की खबरें पढ़ी है ऑथेंटिक नहीं है। डॉ मीणा वरिष्ठ नेता हैं, उनका बयान था मुख्यमंत्री सीएम और संगठन से दुराभाव से नहीं हैं।

प्रदेश में गौड ब्राह्मण महासभा 5 लाख पेड़ लगाएगी

जयपुर । गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान के युवा प्रदेश अध्यक्ष पंकज पचलंगिया एडवोकेट ने बताया कि गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष विजय हरितवाल के द्वारा संपूर्ण राजस्थान में गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान के तत्वाधान में राजस्थान प्रदेश मे 5 लाख वृक्ष लगाने का संकल्प के तहत अभियान की शुरुआत विद्याधर नगर स्थित गौड़ ब्राह्मण महासभा समाज उपयोगी भवन सेक्टर 4 जयपुर में वृक्षारोपण कर की गई।

गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान संपूर्ण राजस्थान में जुलाई माह में 5 लाख से अधिक वृक्ष लगाकर वृक्षारोपण करेंगे।

इस उपलक्ष में गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान के युवा प्रदेश अध्यक्ष पंकज पचलंगिया एडवोकेट प्रमुख महामंत्री रामस्वरूप जोशी कार्यालय मंत्री राम मोहन शर्मा हेमचंद शर्मा मुकेश उपाध्याय निलेश तनिष्क रवि शंकर शर्मा कृष्णकांत शर्मा वैध हरिराम शर्मा आदि ने सहयोग दिया।

'प्रदेश भर में एक ही दिन में लगाए एक लाख पौधे'

जयपुर। प्रदेश में जल संरक्षण और हरियाली क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से जलदाय मंत्री कन्हैया लाल के निर्देशन में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग ने अभिनव पहल करते हुए प्रदेश में एक लाख पौधे लगाने का अभियान शुरू किया। मंत्री ने जल भवन में पौधारोपण कर इस अभियान की शुरुआत की और जल भवन में 500 पौधे लगाए गए।

अभियान के शुभारंभ पर जलदाय मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों को बचाना जरूरी है। जहां पेड़ बचाए जाते हैं वहां प्रकृति सुरक्षित हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत हमने प्रदेश भर में जलदाय विभाग के सभी कार्यालयों, संस्थाओं, पंप हाउसों में एक ही दिन में एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि अत्यधिक जल दोहन, जल की बढ़ती मांग और भूजल के कम रिचार्ज होने के कारण राजस्थान के कई क्षेत्र डार्क जोन में सम्मिलित हो गए हैं।

प्रदेश में जल संरक्षण और हरियाली क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से जलदाय मंत्री कन्हैया लाल ने जल भवन में पौधारोपण कर एक लाख पेड़ लगाने की शुरुआत की और जल भवन में 500 पौधे लगाए गए।

एन.आई.सी. द्वारा तैयार 'ई-साक्ष्य' एप लॉन्च

जयपुर । देश में गत एक जुलाई से लागू नए आपराधिक कानूनों के तहत डिजिटल साक्ष्यों को एप के माध्यम से संकलित कर उन्हें क्लाउड पर स्टोरेज करने के लिए राजस्थान पुलिस द्वारा नई शुरुआत की गई है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के द्वारा ई-साक्ष्य एप तैयार किया है, जिसे शुक्रवार को पूरे प्रदेश के लिए लॉंच कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए पुलिस महानिदेशक, साइबर अपराध एवं एससीआरबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि नए क्रिमिनल लॉज के तहत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) में किसी भी अपराध से संबंधित एवीडेंस को डिजिटल रूप में संकलित एवं सुरक्षित करने का प्रावधान किया गया है।

आठ हजार रु.का इनामी बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर । मुहाना थाना पुलिस ने नकबजनी, पशु चोरी, लूट, डकैती, मोबाइल चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के ऊपर आठ हजार रुपए का इनाम घोषित था।थानाप्रभारी मदन कड़वासरा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी दीपू नरैना जयपुर का रहने वाला है।

पुलिस ने मुखबिरों से जानकारी जुटाई तो सामने आया कि चाकसू, फुलेरा के बदमाश यह वारदात को अंजाम दे रहे है। जो आपस में रिश्तेदार है। पुलिस ने इस मामले में सोनू, मुकेश, दयाराम मीणा और राहुल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

आग के धुएं में दम घुटने से युवक की दर्दनाक मौत

झोटवाड़ा इलाके में निवारू रोड स्थित बाहुबली नगर का मामला

जयपुर (कासं)। झोटवाड़ा थाना इलाके में मकान में अचानक आग लग गई। आग लगने से मकान में धुंआ भर गया। धुएं से दम घुटने से युवक की मौत हो गई। धुआं भरने से धमाके के साथ मकान का दरवाजा टूट गया। इस पर लोगों को घटना का पता चला। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग का प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि हादसे में बाहुबली नगर निवारू रोड निवासी मुकेश (33) की मौत हो गई। युवक अपने पिता रविंद्र (65) और भाई पवन (35) के साथ रहता था। गुरुवार शाम को पिता और भाई काम से सालासर गए थे। घर पर वह अकेला था। रात करीब 2:30 बजे मुकेश ने भाई पवन को कॉल कर डिग्गी कल्याण जी जाने को कहा था। देर रात मुकेश ऊपर रसोई में रखा गैस सिलेंडर नीचे कमरे में उतारकर लाया था। रात करीब 3:30 बजे घर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग से घर में रखा सामान जलने लगा। घर में धुआं भर गया। बचने की कोशिश में मुकेश के हाथ झुलस गए। फिर दम घुटने से बेहोश होकर मुकेश जमीन पर गिर गया। हर तरफ से बंद घर में धुआं भरने से दबाव बन गया। इससे धमाके के साथ गेट टूट गया। धमाके की आवाज सुनकर पड़ोसियों में दहशत फैल गई। घरों से बाहर निकलने पर पड़ोसियों को आग लगने का पता चला। लोगों की सूचना पर पुलिस और फायर बिग्रेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। घर के अंदर जमीन पर बेहोशी मिले मुकेश को कांवटिया हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि पुलिस जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगना सामने आया है।

मुकेश के किचन में रखे सिलेंडर को नीचे कमरे में लाने के पीछे का कारण पता नहीं चल सका है।

कयास लगाए जा रहे हैं कि मुकेश ने घर में खुद आग लगाई है। परिजनों से पूछताछ में सामने आया है कि मुकेश मानसिक रूप से बीमार है। पिछले 15 साल से दवाइयां चल रही है। 4 जून को उसकी मां की मौत होने के बाद वह डिप्रेशन में था। मां ही उसका ध्यान रखती थी।

मुकेश के पिता रविंद्र सचिवालय से रिटायर्ड है। मां भी सरकारी टीचर के पद से रिटायर्ड हुई थी। काफी सालों से मां-बेटे यहां रह रहे थे और रविंद्र बच्चों को सांगानेर में रहते थे। करीब 1 साल से पहले ही पत्नी की तबीयत खराब रहने पर रविंद्र यहां आकर रहने लगे थे। 4 जून को मां की मौत के बाद से मुकेश ज्यादा डिप्रेशन में चला गया। मुकेश के बड़े भाई पवन की भी पत्नी से अनबन थी। इसलिए पत्नी छोड़कर पीहर गई हुई थी।

कार चुराने वाले दो बदमाश दबोचे

जयपुर। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने कार चुराने वाले दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कार बरामद कर ली। आरोपी रैकी कर विद्याधर नगर क्षेत्र में पार्किंग में खड़ी कार को चोरी करके ले गए थे। पुलिस टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी मौज मस्ती और शौक को पूरा करने के लिए वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी रामप्रसाद मीणा जयलालपुरा बोली सवाईमाधोपुर और मनीष सोलंकी डीडवाना नागौर हाल वाटिका रोड सांगानेर का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालने के बाद आरोपियों को चिन्हित कर उन्हें पकड़ा। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह वाहन चुराने से पहले रैकी करते थे। रैकी करने के बाद वारदात को अंजाम देते थे। कार बाइक चुराने के बाद वह उससे सस्ते दामों में बेच देते थे। आरोपी मौज मस्ती और शौक को पूरा करने के लिए वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि वाहन चुराने के बाद वह किन लोगों को बेचा करते थे। पुलिस अन्य वारदातों के खुलासे के लिए पूछताछ कर रही है।

2543 पदों की अंतरिम वरीयता सूची जारी

जयपुर । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने मिशन मोड में प्रयास कर बहुप्रतीक्षित फार्मासिस्ट भर्ती में 2543 अभ्यर्थियों की अंतरिम वरीयता सूची शुक्रवार को जारी कर दी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंजूरी के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में विभाग लंबे समय से अटकी हुई भर्तियों को जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास कर रहा है। इससे युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि प्रदेश में करीब 10 साल पहले फार्मासिस्ट भर्ती हुई थी। इसके बाद वर्ष 2023 में विज्ञापित फार्मासिस्ट भर्ती को विभिन्न कानूनी पेचीदगियों, एफआईआर, चुनावी आचार संहिता, अंकतालिकाओं का सत्यापन, संसाधनों की सीमितता के चलते पूरी करना बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन चिकित्सा विभाग ने इस काम को मिशन मोड में पूरा करने का प्रयास किया।

सिंह ने बताया कि इस भर्ती में सबसे बड़ी बाधा अंकतालिकाओं की वैधता की जांच करवाना था। इसके लिए विभाग ने 25 टीमों का गठन किया। इन टीमों ने दूसरे राज्यों में जाकर करीब 4 हजार अभ्यर्थियों की अंकतालिकाओं का सत्यापन किया।

- कई बाधाओं के बावजूद फार्मासिस्ट भर्ती को अंजाम दिया विभाग ने

इसके साथ ही न्यायालय में इस भर्ती को लेकर विचाराधीन प्रकरणों में विभाग ने पुरजोर पैरवी कर भर्ती की राह खोली। चुनावी आचार संहिता के दौरान शिथिलन प्राप्त कर इस कार्य को गति दी गई। इसी का परिणाम रहा कि रिकॉर्ड समय में फार्मासिस्ट भर्ती की अंतिम वरीयता सूची आज जारी हो सकी है। निदेशक अराजपत्रित राकेश शर्मा ने बताया कि 3067 पदों पर फार्मासिस्ट भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। अंकतालिकाओं के सत्यापन के बाद 2819 अभ्यर्थियों की वरीयता सूची तैयार की गई है। इनमें से 2543 अभ्यर्थियों की अंतरिम वरीयता सूची जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि 276 अभ्यर्थियों का परिणाम प्रतीक्षा में रखा गया है। 248 पदों का बैकलॉग रहा है। जिन अभ्यर्थियों परिणाम प्रतीक्षा में रखा गया है, उनके दस्तावेजों की विभागीय स्तर पर जांच उपरांत समयबद्ध रूप से नियमानुसार वरीयता सूची जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के माध्यम से अराजपत्रित संवर्ग के विभिन्न 20 हजार 630 पदों पर भर्ती प्रक्रिया को गति दी गई है। इनमें से नेत्र सहायक, डेंटल टेक्नीशियन, ईसीजी टेक्नीशियन, लैब टेक्नीशियन एवं सहायक रेडियोग्राफर के 3105 अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके हैं। साथ ही, फार्मासिस्ट के 2543 पदों के लिए अंतरिम वरीयता सूची आज जारी की जा चुकी है।

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

कपासन, (निसं)। कपासन में ग्राम विकास अधिकारी संघ उप शाखा सदस्यों द्वारा जिला अध्यक्ष भारत सिंह राठौड के सानिध्य में सवाईमाधोपुर जिले की खंडार पंचायत समिति के एक वीडीओ के साथ हुई मारपीट के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर आज से आंदोलन शुरू किया। व्हाट्सएप पर सरकारी ग्रुप से लेफ्ट होकर बहिष्कार किया। इस संबंध में एक ज्ञापन पंचायती राज के शासन सचिव और आयुक्त के नाम पंचायत समिति विकास अधिकारी मुकेश पोरवाल को सौंपा गया। वीडीओ संघ के ब्लाक अध्यक्ष कमलेश बौद्ध ने बताया कि सवाईमाधोपुर जिले की खंडार पंचायत समिति के एक वीडीओ के साथ 25 दिन पूर्व मारपीट हुई थी, लेकिन अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से संघ आज से प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया गया। जिसमें पहले चरण में संघ के सभी सदस्यों ने आज से वॉट्सऐप पर सभी सरकारी ग्रुप से लेफ्ट होकर बहिष्कार किया। आंदोलन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने तक चलेगा। साथ ही गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। इस संबंध में संघ के जिला अध्यक्ष भारत सिंह राठौड के सानिध्य में व जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर जाट के नेतृत्व में एक ज्ञापन पंचायती राज के शासन सचिव और आयुक्त के नाम पंचायत समिति कपासन विकास अधिकारी मुकेश पोरवाल को सौंपा गया हैं।जिसमें आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कराकर कार्रवाई की मांग की गई।

जे.के. टायर फैक्ट्री का मैन गेट बंद करने वालों पर कार्रवाई व सुरक्षा की मांग

- दूसरे दिन भी जारी रहा इंटक का धरना-प्रदर्शन

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित जेके टायर फैक्ट्री का मैन गेट बंद करने के विरोध में जेके टायर एम्पलाइज यूनियन इंटक का धरना रेलवे स्टेशन के बाहर इंटक कार्यालय पर शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। इंटक की ओर से फैक्ट्री का मैन गेट बंद करने वालों के खिलाफ कार्रवाई एवं श्रमिकों की सुरक्षा की मांग फैक्ट्री प्रबंधन और प्रशासन से की जा रही है।

जेके टायर एम्पलाईज यूनियन के अध्यक्ष चुन्नीलाल पंचोली ने बताया कि गुरुवार को बिना किसी कारण के भामस की ओर से जेके टायर फैक्ट्री की ए शिफ्ट के दौरान सुबह 5:30 बजे मैन गेट बंद कर दिया गया था। इसके कारण ए शिफ्ट एवं बाद में दोपहर 2 बजे वाली बी शिफ्ट में भी फैक्ट्री में कामकाज बंद रहा। इसके बाद भामस के लोगों ने मनमर्जी करते हुए रात की शिफ्ट में गेट खोल दिया। लेकिन, इंटक के श्रमिक बिना किसी कारण के फैक्ट्री का गेट बंद करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्यवाही, फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा एवं श्रमिकों के एरियर की राशि उनके खातों में तत्काल जमा करवाने और आगे से इस तरह बिना किसी कारण फैक्ट्री में कामकाज नहीं रोका जा सके। इसको लेकर पर्याप्त व्यवस्था तथा दो दिन फैक्ट्री के बंद रहने के दौरान का श्रमिकों का भुगतान करने की मांग करते हुए फैक्ट्री में काम करने के लिए प्रवेश नहीं किया। इसके बाद शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन भी इंटक कार्यालय पर श्रमिकों का धरना जारी रहा। उन्होंने बताया की फैक्ट्री प्रबंधन और प्रशासन की ओर से उनकी मांगे पूरी नहीं किए जाने तक वें काम का बहिष्कार करते हुए धरना जारी रखेंगे। इस दौरान इंटक के जिलाध्यक्ष शंकरलाल चौधरी, महामंत्री दिनेशसिंह झाला, पूनाराम चौधरी, रतन गाडरी, कुलदीपसिंह, गोवर्धनलाल कुमावत, देवीसिंह राठौड, नाहरसिंह राव, लक्ष्मीलाल पालीवाल, लालसिंह चौहान, नारायणसिंह झाला, महेश उपाध्याय, गणेश गुर्जर, रामेश्वर पुरी, दिनेश छापरवाल व रमेश कुमावत आदि ने धरना स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित किया। इस दौरान सैकडों की संख्या में श्रमिक मौजूद थे।

जेके टायर फैक्ट्री का मैन गेट बंद करने के विरोध में इंटक कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करते श्रमिकों को सम्बोधित करते इंटक अध्यक्ष चुन्नीलाल पंचोली।

सिर्फ 15 प्रतिशत श्रमिक ही गए शिफ्ट में गेट खोल दिया तब भी केवल 15 प्रतिशत श्रमिकों ने ही फैक्ट्री में प्रवेश किया। यही स्थिति शुक्रवार को भी बनी रही जिससे फैक्ट्री में कोई कामकाज नहीं हो पाया।

भामस का दावा सच्चाई से कोसों दूर : पंचोली ने बताया कि भामस का 781 श्रमिकों के साथ बहुमत का दावा सच्चाई से कोसों दूर है। उन्होंने बताया की फैक्ट्री प्रबंधन ने इसके आधार पर ही भामस को फैक्ट्री चलाने का न्योता दिया। लेकिन, बीएमएस के पास पर्याप्त श्रमिक नहीं होने से गुरुवार को सी शिफ्ट में फैक्ट्री 95 प्रतिशत बंद ही रही। इसी तरह शुक्रवार को ए शिफ्ट में भी फैक्ट्री में 90प्रतिशत काम बंद रहा। इससे स्पष्ट होता है कि भामस फैक्ट्री प्रबंधन और जिला प्रशासन को गुमराह कर मजदूरों पर रोजी-रोटी का संकट खडा कर दिया। जबकि, सच्चाई यह है कि 1100श्रमिकों के साथ फैक्ट्री में बहुमत इंटक के पास है। इंटक को फैक्ट्री में मान्यता प्राप्त होने के कारण ही प्रबंधन के साथ उसका श्रमिक हितों में दीर्घकालिक समझौता हाल ही में हुआ है। इसका परिलाप सभी श्रमिकों को मिल रहा है।

सार-समाचार

भंडारे में मिले 19 लाख 78 हजार रुपए

कपासन, (निसं)। मेवाड़ के प्रसिद्ध शनिधाम श्री शनि महाराज आली में गुरुवार को मासिक भंडार खोला गया। जिसमें करीब 19 लाख 78 हजार रुपए प्राप्त हुए। । सिक्को की गिनती अभी बाकी है। तीर्थ स्थल प्रबंध कार्यकारिणी कमेटी के सचिव कालू सिंह ने बताया तीर्थ स्थल के मुख्य मंदिर, नवठाह मंदिर, तेल कुंड आदि के भंडार खोल कर भेंट राशि निकली गई। कमेटी अध्यक्ष नरेंद्रपाल सिंह, मंत्री छगन गुर्जर, उपाध्यक्ष माधुलाल जाट, कोषाध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा और संरक्षक पवन सांखला की मौजूदगी में भंडारे खोले गए। इसके बाद मंदिर परिसर में ही गिनती शुरू की गई। शाम 6.45 बजे तक नोटों की गिनती पूरी हुई। जिसमें कुल 19 लाख 78 हजार 13 रुपए की भेंट राशि प्राप्त हुई। इस अवसर पर सदस्य रामेश्वर लाल सुथार, गोपाल सुथार, भेरूलाल जाट, प्रकाशचंद्र जाट, रतन लाल गाडरी, रूपलाल गाडरी, शैलेंद्र कुमार शर्मा, गेरूलाल गाडरी, कालू कीर, मदन सिंह, रामचंद्र कीर और कालूराम कुम्हार सहित कर्मचारियों और श्रद्धालुओं का गिनती में सहयोग रहा।सिक्को की गिनती अभी बाकी हैं।

साधारण सभा की बैठक कल

डूंगरपुर, (निसं)। कोई भूखा नहीं सोए के संकल्प के साथ तत्कालीन सभापति श्री के के गुप्ता द्वारा सामान्य चिकित्सालय परिसर में नगर के भामाशाह और सभ्रांत नागरिकों के सहयोग के साथ रोटी बैंक की स्थापना की गई थी जहां पर लोगों को भोजन निशुल्क दिया जाता है वहीं इसमें 3100 रुपए की सहयोग राशि जमा करके कोई भी आम व्यक्ति अपने नाम से भोजन करवाकर पुण्य लाभ प्राप्त कर सकता है। रोटी बैंक के अध्यक्ष रमेश वरियानी ने बताया कि रोटी बैंक द्वारा विगत 7 वर्षों से जरूरतमंद लोगों को प्रतिदिन भोजन निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। रोटी बैंक की सेवा गतिविधियों को वापस नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से कार्यकारिणी का नव गठन किया गया। जिसकी साधारण सभा की बैठक रोटी बैंक के संरक्षक केके गुप्ता के निर्देश अनुसार आगामी 7 जुलाई को प्रात: 11 बजे स्थानीय होटल साईं पैलेस में आयोजित की जाएगी। बैठक में आगामी कार्यकाल की रूपरेखा तय की जाएगी। बैठक में रोटी बैंक के समस्त ट्रस्टी,नगर के समस्त समाजों के अध्यक्ष और महामंत्री, समस्त स्वयं सेवी संगठनों के अध्यक्ष और महामंत्री को आमंत्रित किया है।

नाबालिग डिटेन

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने नाबालिग को डिटेन किया है। शराब पीने के पैसे नहीं देने पर मारपीट की वारदात में नाबालिग आरोपी भी शामिल था। पुलिस ने उसके पास से वारदात में प्रयुक्त स्कूटी भी जब्त कर ली है। वहीं अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। कोतवाली थानाधिकारी भगवानलाल ने बताया कि संजय पुत्र कचरा कटारा मीणा निवासी माथुगामडा पाल देपात फला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसमें बताया कि 5 जून को शाम 5 बजे राहुल पुत्र कालूराम रोत मीणा निवासी हिराता और राहुल पुत्र कांतिलाल रोत मीणा निवासी हिराता तीनों बादल महल रोड पर पैदल पैदल जा रहे थे। इतने में स्कूटी पर आए बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और शराब पीने के लिए पैसे मांगे। पैसे देने से मना करने पर बदमाशों ने लात घूसों से मारपीट की। जिससे उन्हें चोंट आई। इस पर कोतवाली थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने मामले में एक नाबालिग को डिटेन कर लिया है।

चिकित्सा शिविर आठ जुलाई को

मावली, (निसं)। भारत सरकार के सौ दिवसीय एजेंडे के तहत् आयुर्वेद विभाग द्वारा आयुष्मान आरोग्य मन्दिर (आयुष) राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय मावली जिला उदयपुर में दिनांक 08-07-2024 सोमवार को वृद्धावस्था में होने वाली विभिन्न बीमारियों की जांच एवम चिकित्सा हेतु जरा स्वास्थ्य परीक्षण एवम चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।चिकित्सालय प्रभारी डॉ रमेंद्र कुमार शर्मा के अनुसार शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य परीक्षण जरा जन्य व्याधियों यथा पौरुष ठांथि विकार संधि शूल कमर दर्द गर्दन कंधे में दर्द विबन्ध कमजोरी मधुमेह उच्च रक्तचाप आदि का परीक्षण कर नि:शुल्क उपचार किया जाएगा।क्योंकि सोमवार को पुष्य नक्षत्र भी है अत: इस अवसर पर जन्म से सोलह वर्ष तक के बालक बालिकाओं को स्वर्ण प्राशान संस्कार भी कराया जाएगा।शिविर का समय प्रात: नौ बजे से दोपहर एक बजे तक रहेगा।

सेनेटरी नेपकिन का वितरण

डूंगरपुर, (निसं)। महावीर इन्टरनेशनल के स्वर्ण जयंती सेवा सप्ताह के पांचवे दिन वीरा प्रियदर्शना डूंगरपुर द्वारा अपने गरिमा प्रोजेक्ट-झिझक छोडो चुप्पी तोडो खुलकर बोलो के अंतर्गत विद्यानिकेतन माध्यमिक विद्यालय नई बस्ती डूंगरपुर में छात्राओं को अपेक्स से प्राप्त 50 सेनेटरी नेपकिन का वितरण किया गया। वीरा प्रियदर्शना की अध्यक्षा कल्पना दोषी ने मासिक धर्म के समय रखी जाने साफ-सफाई सेनेटरी नेपकिन के उपयोग एवं निस्तारण के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विकास व्यास, सचिव भूपेश औदिच्य,अध्यापिका माहेश्वेता चौबीसा,ममता चौबीसा, ज्योति पंचाल, वीरा प्रियदर्शना की उपाध्यक्ष कनकलता जैन, ममता भट्ट, सचिव पुष्पक जैन, कोषाध्यक्ष निधि गार्धी, श्वेता सरैया, ममता सरैया, निलम दोषी, रितु दोषी आदि उपस्तिथ रहे।

कार पर पथराव से बालिका के घायल होने की घटना से आक्रोश

डूंगरपुर, (निसं)। दोवडा थाना क्षेत्र में बीती रात बुधवार करीब 1० बजे अज्ञात बदमाशों ने कार पर पथराव कर एक बालिका के घायल होने की घटना से आक्रोशित सर्व समाज ने शुक्रवार को आपात बैठक विश्वकर्मा मंदिर में आयोजित की,जिसमे जिले में हो रही पत्थरबाजी को लेकर आक्रोश जताया।

बैठक में वक्ताओं ने कहां की डूंगरपुर जिले में विगत दो वर्ष से पत्थरबाजी की घटना में इजाफा हो रहा है। पत्थरबाज नाबालिग होने से आए दिन छूट जाते है। ऐसे में घटनाएं बढ रही है, वही कहां की कश्मीर में तो पथरबाजों को रोक दिया गया है,लेकिन डूंगरपुर में पत्थरबाजी रोकने के लिए अब बीएसएफ-सीआरसीएफ के जवान तैनात करने की जरूरत बताई वही बंदूक, पिस्टल लाइसेंस में ढील देने की मांग उठाई। पत्थरबाजी में लिप्त अन्य लोगों की जांच कर पकडने की मांग उठाई। वही कहां की क्षेत्र को हो रहीं ऐसी घटनाओं पर स्थानीय सांसद, एमएल,कुछ भी बोलने से बच रहे है। क्या पत्थरबाजों पर इनका श्रेय तो नहीं है। इसके पश्चात जुलूस के रूप पत्थरबाजों के खिलाफ प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त करते हुए डीएसपी कार्यालय पहुंचे। जहां पर बांसवाडा आईजी एस परिमला को ज्ञापन सौप कर असामाजिक तत्वों के खिलाफ कडी कार्यवाही करने की मांग की।

- कश्मीर की तर्ज पर बी.एस.एफ.-सी.आर.सी.एफ जवान लगाने की मांग

सर्व समाज द्वारा जिले में पत्थरबाजी की घटना आहत होकर डीआईजी को ज्ञापन सौंपते।

दो आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। शहर के नया बस स्टेण्ड पर चार अज्ञात बाईक सवार लडको द्वारा चाकूबाजी कर फरारी के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया वहीं दो अपचारी को डिटेन किया है। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में वृत्ताधिकारी सूर्यवीर सिंह राठौड के सुपरविजन एवं कोतवाली थानाधिकारी देवीलाल मीणा के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह राठौड के निकट पर्यवेक्षण में इस मामले में पुलिस ने शहर में लगभग 50 सीसीटीवी कैमरों की सहायता ली एवं घटना कारित करने के आरोपी आरोपी दिलीप चरपोटा निवासी अगरपुरा, लखन खराडी निवासी अगरपुरा को गिरफ्तार किया वहीं दो अपचारी को डिटेन कर लिया है। टीम में कोतवाली थानाधिकारी देवीलाल मीणा, राजतालाब थानाधिकारी दीपक बंजारा, उपनिरीक्षक प्रकाशचंद्र, हैड कांस्टेबल भूपेन्द्र सिंह, कांस्टेबल इन्द्रजीत सिंह व सिद्धार्थ, वृत्त कार्यालय कांस्टैबल कैलाश आदि राहुल शामिल रहे।

प्रतिभा सम्मान व पाठ्य पुस्तक वितरण किया

बांसवाड़ा, (निसं)। पीएमश्री राउमावि कुपडा में प्रतिभा सम्मान समारोह, निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण एवं पौधरोपण कार्यक्रम अतिरिक्त संभागीय आयुक्त गौरव बाजोड के मुख्य आतिथ्य व सरपंच हंतोक देवी की अध्यक्षता में हुआ। जबकि बतौर विशिष्ट अतिथि सीबीईओ रघुनंदन वर्मा, विधायक प्रतिनिधि किरण जोशी, लोकेश जोशी, उपसरपंच कन्हैया लाल जोशी, जगदीश जोशी, रमेश जोशी, वीरेन्द्र पंड्या, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अधिकारी रवि चंदेल, जगदीश जोशी, मनोज परमार सहायक, लाला भाई निनामा, रमेश जोशी आदि मौजूद रहे।

प्रधानाचार्य विजय कृष्ण वैष्णव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की शैक्षिक-सहशैक्षिक भौतिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। अतिथियो का स्वागत स्काउट गाइड प्रभारी अनवर उद्दीन शेख, पीटीआई प्रभारी पिंपल सोनी तथा भाग्यश्री गहलोत के निर्देशन में कलर पार्टी ने किया। दिनेश जोशी, भारतेंदु पंड्या और भविता मेहता, जया डोडियार, विधि भट्ट, मयंक जैन आदि के निर्देशन में छात्रों को निशुल्क पुस्तके वितरित की गई। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचल में प्रतिभाओं की कमी नही है बस अधिक मेहनत एवं शारीरिक और मानसिक स्वास्थ का ध्यान रखते हुए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने पर बल देते हुए पढाई के साथ सहशैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने की प्रेरणा दी। रघुनंदन वर्मा और किरण जोशी ने भी विचार व्यक्त किए एवं टीएडी मद से एक हॉल निर्माण की घोषणा करते हुए छात्रों के उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। अतिथियो ने पौधरोपण किया जिसमे स्टाफ के स्मिता राय दवे, मनोज मीणा, श्रद्धा सोगरा, कीर्ति जोशी रघुवीर मीणा ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विजय कृष्ण वैष्णव द्वारा लिखित पुस्तक करें योग रहे निरोग और कन्या भ्रूण हत्या पुस्तक का विमोचन किया गया।

शारीरिक शिक्षक वाकपीठ पर किया मंथन

बांसवाड़ा, (निसं)। शिक्षा उप निदेशक मावजी खांट ने कहा कि विद्यालय में शैक्षिक वातावरण को सुगम बनाने के लिए खेल प्रवृत्ति का संचालन आवश्यक है। शारीरिक शिक्षक इसके लिए योजना बनाकर नियमित खेल कक्षाओं का संचालन करें। वे शुक्रवार को राउमावि कटुम्बी में शारीरिक शिक्षक वाकपीठ कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

अध्यक्षता अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी दलसिंह अमलियार ने की जबकि विशिष्ट अतिथि एसीबीईओ राजीव द्विवेदी व खेल अनुभाग प्रभारी अनिशा जैन रहे।

कार्यक्रम में 18 से 20 जुलाई के मध्य जिला स्तरीय माध्यमिक शारीरिक शिक्षक वाकपीठ में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। आरम्भ में अतिथियों ने दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन किया। बैठक में वाकपीठ अध्यक्ष वीरचन्द मईडा, प्रधानाचार्य डॉ दीपिका राव, व्यख्याता शारीरिक शिक्षा लक्ष्मी नारायण टेलर व शारीरिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विनोद पानेरी ने विचार व्यक्त किये।

'कानून व्यवस्था व संगठित अपराधों पर नियंत्रण प्राथमिकता : परिमला

डूंगरपुर, (निसं)। आईजी एस.परिमला ने शुक्रवार को आसपुर डिप्टी ऑफिस का निरीक्षण किया। आसपुर पहुंचने पर डीएसपी हरजीलाल चौधरी ने गुलदस्ता देकर अगवानी की। वही पुलिस द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया

आईजी ने डिप्टी ऑफिस में पहुंचने पर पौधारोपण पर ध्यानआकर्षण किया और पौधारोपण पर जानकारी ली, इसके पश्चात डिप्टी ऑफिस के अंतर्गत आने वाले थाना क्षेत्र में पेंडिग मामले वा सुरक्षा व्यवस्था पर के बारे में जानकारी ली साथ ही अनुसंधान कक्ष रिकॉर्ड रूम, कंप्यूटर रूम सहित कई शाखाओं के बारे जानकारी लेकर दिशा निर्देश दिए। आईजी परिमला ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस को चुस्त-दुरुस्त रहने और तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए है। वहीं कहा कि जिले में कानून व्यवस्था और संगठित अपराधों पर नियंत्रण पहली प्राथमिकता होगी।

- आईजी ने किया डिप्टी ऑफिस का निरीक्षण

वही दो दिन पूर्व हुई पत्थरबाजी में घायल बालिका के मामले को लेकर रिपोर्ट मांगी। पत्थरबाजों को निपटने के लिए विशेष टीम का गठन करने एवं शाम 6 बजे से रात 12 बजे तक गश्त बढाने के एसपी को निर्देश दिए। ग्रामीणों ने बताया की रात्रि में अवैध शराब बिक्री से घटनाएं बढ रही है और शराब दुकानों के 8 बजे मुख्य दरवाजा बंद कर साइड दरवाजे पर बिक्री को लेकर जानकारी दी। इसे लेकर रात्रि में 8 बजे बाद खुली रहने वाली शराब की दुकानें का निरीक्षण कार्यवाही के थानाधिकारी को निर्देश दिए।

आवेदन आमंत्रित

डूंगरपुर, (निसं)। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से सुभाषचन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। व्यक्तियों और संगठनों के अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा भाव को पहचानने और सम्मानित करने के लिए सुभाषचंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के नाम से वार्षिक पुरस्कार दिया जाता है। पुरस्कार की घोषणा हर साल 23 जनवरी को सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर की जाती है। संस्था के मामले में 51 लाख रुपये नकद और एक प्रमाण पत्र तथा व्यक्ति के मामले में 5 लाख रुपये नकद और एक प्रमाण पत्र पुरस्कार के रूप में दिया जाता है।

वृक्षारोपण को लेकर आमजन में उत्साह

डूंगरपुर, (निसं)। नगरपरिषद सभापति अमृत कलासुआ ने कहां कि आने वाले भविष्य और पर्यावरण सरंक्षण लिए एक-एक वृक्ष की महत्ता है, इस वर्ष अपने परिवार, अपनों के नाम और अपने शहर के नाम एक वृक्ष जरूर लगाएं एवं इस धरा को हरा भरा करने में सहभागी बने।

शुक्रवार को वार्ड 19 के जनजाति छात्रावास में जिला कलेक्टर अंकित सिंह, एडीजे कुलदीप सूत्रधार, सभापति अमृत कलासुआ,उपसभापति सुदर्शन जैन,कार्यवाहक आयुक्त कुलदीप सिंह, सहायक अभियंता भक्तेष पाटीदार सहित समस्त पार्षदों एवं परिषद् कार्मिको की उपस्थिति में शहरी वृक्षारोपण कार्य्रकम की शुरुवात हुई। जिला कलेक्टर और कुलदीप सूत्रधार ने वृक्षारोपण कर शहरी वृक्षारोपण कार्यक्रम का आगाज किया। जिला कलेक्टर अंकितसिंह ने कहा कि शहर सहित जिले में वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुवात हो गयी और वृक्षारोपण को लेकर आमजन में काफी उत्साह है, राज्य सरकार की मंशा अनुसार पुरे जिले में वृक्षारोपण को सफल बनायेंगे। वही सभापति ने कहा कि इस वर्ष शहर के विभिन्न वार्डो में नगरपरिषद द्वारा 21 हजार वृक्ष लगाएगी और नगरपरिषद जितने भी वृक्ष लगाएगी उनके सरंक्षण की जिम्मेदारी भी लेगी क्योंकि पौधे लगाना आसान है पर उनका सरंक्षण सबसे अधिक जरूरी है। उन्होंने कहा कि शहरी रोजगार गारंटी योजना में कार्यरत कार्मिको द्वारा शहर के विभिन्न वार्डो और शहर मे वृक्षारोपण हेतु गड्ढे खुदवाये जा रहे है और परिषद द्वारा इस माह में सभी स्थानों पर वृक्षारोपण कर पहाडो की नगरी को हरा भरा करेगी। भोईवाडा के जनजाति छात्रावास में शुक्रवार को पार्षद, कार्मिक और वार्डवासियों द्वारा 85० पौधे लगाए गए। एडीजे कुलदीप सूत्रधार ने कहां कि जीवन में वृक्षों का बहुत अधिक महत्व है। वृक्षों के बिना हमारे बात पर्यावरण की वायु शुद्ध नहीं हो सकती। वृक्ष हमारे लिए ऑक्सीजन प्रदाता का कार्य करते हैं। इसके अतिरिक्त वृक्षों से हमें अनेक उपयोगी वस्तुएं पदार्थ प्राप्त होते हैं। आज के लिए और कल के लिए वृक्ष जरूर लगाएं और उनका सरंक्षण करें। सभापति ने बताया कि इस धरा को हरा-भरा करने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए इस वर्ष नगरपरिषद द्वारा 21 हजार पौधे लगाकर पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्थानीय पर्यावरण के अनुसार ही विभिन्न प्रजातियों के वृक्ष लगाए जाएंगे और इनकी सुरक्षा हेतु ट्री गार्ड भी लगाए जाएंगे। परिषद द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया जाएगा और वृक्षारोपण हेतु शहरवासियों को प्रेरित भी किया जाएगा।

- सभापति ने बताया कि नगरपरिषद द्वारा 21 हजार पौधे लगाकर पर्यावरण सरंक्षण का दिया जाएगा संदेश

'एक वृक्ष शहर के नाम' अभियान की शुरुआत करते जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह।

ए.बी.वी.पी. ने दिया कुलपति को ज्ञापन

बांसवाड़ा, (निसं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मण्डल ने विश्वविद्यालय कुलपति को ज्ञापन देकर सेमेस्टर में लेट फीस के नाम से विद्यार्थियों से 5 से 6 हजार रुपए वसूले जाने पर रोष जताया।

छात्रसंघ के पुर्व अध्यक्ष सुनील सुरावत ने कहा कि विश्वविद्यालय में पढने वाला विद्यार्थी जनजाति क्षेत्र से आते है तथा वे इतनी फीस देने में सक्षम नहीं है ऐसे में विद्यार्थी अपनी पढाई छोडकर कहीं पर मजदूरी करने के लिए विवश हो जाता है। अतरू विद्यार्थियों के हित में विश्वविद्यालय को इस प्रकार की वसूली नहीं करते हुए इसे तत्काल प्रभाव से बंद करना चाहिए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जब पहली बार परीक्षा फॉर्म निकलता है तो उसकी समय सीमा समाप्त हो जाने के बाद दूसरी बार विश्वविद्यालय फार्म निकालता है तो पहली बार में लेट फीस 500 तथा दूसरी बार 1000 रुपये तक ही ली जाये।

कुलपति ने आश्वस्त किया इसी माह बोम की बैठक में प्रस्ताव रखेंगे। ज्ञापन देने वालों में पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष भवानी निनामा, प्रांत एसएफडी संयोजक प्रांजल कलाल, गिरीश तीरगर, राजेश खराडी, निर्मल जांगिड, राहुल डिंडोर, हेमंत खांट, मनीष निनामा आदि कार्यकर्ता प्रमुख रहे।

'रात्रि चौपाल से ग्रामीण समाज में सहभागिता की बढ़ती है भावना'

ग्राम पंचायत खटामला में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्या सुनते जिला परिषद सीईओ

राजसमंद, (निसं)। जिला कलक्टर डॉ भंवरलाल के निर्देशन में जिला मुख्यालय के समीपवर्ती ग्राम पंचायत खटामला में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल में जिला परिषद सीईओ हनुमानसिंह राठौड और एसडीएम अर्चना बुगालिया ने समस्याओं को सुना। रात्रि चौपाल के दौरान आमजन की समस्याओं को सुना गया और मौके पर ही उनके निस्तारण के प्रयास किए गए।

रात्रि चौपाल में कुल 42 शिकायतें प्राप्त हुईं, जो विभिन्न विषयों से संबंधित थीं। जिन शिकायतों का मौके पर ही समाधान संभव था, उनका तुरंत समाधान किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। रात्रि चौपाल में अतिक्रमण हटाने, पेयजल सप्लाई, विद्युत सप्लाई, साफ- सफाई, नाली निर्माण, सडक की मरम्मत, राजस्व विवाद आदि संबंधी शिकायतें आई। सीईओ राठौड ने बताया कि रात्रि चौपाल का आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी माध्यम है। ग्रामीण जनता की समस्याओं को तुरंत सुनकर उनका निस्तारण किया जाता है, जिससे उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान होता है। ऐसे कार्यक्रमों से प्रशासन और जनता के बीच विश्वास और पारदर्शिता बढती है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अपने मुद्दों को सीधे उच्च अधिकारियों के समक्ष रख सकते हैं, जिससे उन्हें अपनी समस्याओं को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। अधिकारियों को ग्रामीण जनता की वास्तविक समस्याओं का पता चलता है, जिससे वे प्राथमिकता के आधार पर उनके समाधान के लिए कदम उठा सकते हैं। रात्रि चौपाल से ग्रामीण समाज में सहभागिता की भावना बढती है और लोग मिलकर अपने क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रेरित होते हैं।

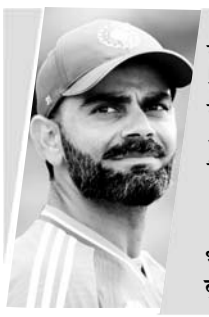

बुमराह जैसा खिलाड़ी एक पीढ़ी में पैदा होता हैं और हमें खुशी है कि वह हमारे लिए खेलता है। बुमराह के लिए यह जिंदगी में एक बार होने वाला अनुभव था। उनका साथ होना मैदान में हमारे लिए विशेष है। - **विराट कोहली**

भारतीय क्रिकेटर, जसप्रीत बुमराह के बारे में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हार्दिक पंड्या

वनडे विश्व कप में टखने की चोट के बाद पंड्या की वापसी की यात्रा निराशा और हताशा से भरी हुई थी। लेकिन उन्होंने विपरीत परिस्थितियों के खिलाफ अत्यधिक लचीलापन और दृढ़ संकल्प दिखाया। पंड्या ने अहमदाबाद में मुंबई इंडियंस की टीम का नेतृत्व किया तो उनकी हूटिंग की गई। लेकिन जब पंड्या टी-20 विश्व कप के लिए मैदान पर उतरे तो यह सब अतीत की बात हो गई। पंड्या ने यहां परेड से पहले ट्रॉफी के साथ अपनी सेल्फी पोस्ट करते हुए लिखा, ''जल्द ही मिलते हैं, वानखेड़े।'' स्टेडियम के अंदर हार्दिक...हार्दिक के नारे गूंज रहे थे।

क्या आप जानते हैं ?... बेसबॉल में औसतन 108 टांके होते हैं क्रिकेट बाल में 65 से 70 के बीच तथा फुटबॉल में 642 से अधिक टांके लगाये जाते हैं।

ओलंपिक के लिए पेरिस रवानगी से पहले मोदी से मिले एथलीट्स, पीएम ने दिया विजय-मंत्र

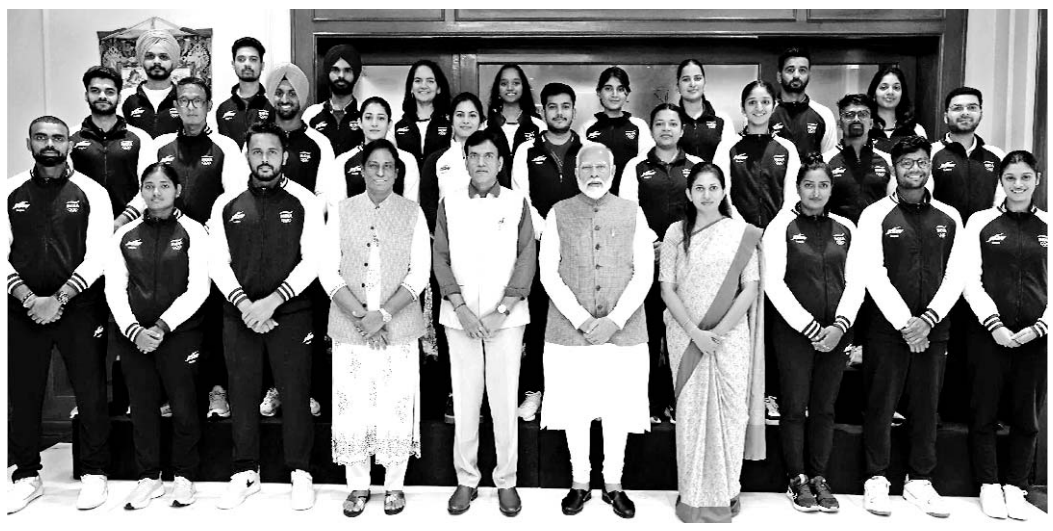

नई दिल्ली, 5 जुलाई। पेरिस ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों की रवानगी से पहले पीएम मोदी से उनसे शुक्रवार को खास मुलाकात की। इस दौरान पीएम ने खिलाड़ियों को विजय मंत्र भी दिया। भारत पेरिस ओलंपिक के लिए लगभग 120 खिलाड़ियों का दल भेज रहा है और उसे उम्मीद है कि इस बार वे टोक्यो ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में सात पदक जीते थे जिनमें से नरीज चोपड़ा का भाला फेंक में जीता गया गोल्ड मेडल भी शामिल है।

वहीं, पीएम मोदी ने नीरज चोपड़ा, मुक्केबाज निकहत जरीन और ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु से वर्चुअल बातचीत भी की। इसके अलावा उन्होंने ओलंपिक के लिए पहली बार जाने वालों को विजय-मंत्र दिया। पीएम ने कहा कि, आप ओलंपिक में जाने और जीतने के मूड में हैं और मैं आपके जीतने के बाद वापस आने पर आपका स्वागत करने के मूड में हूं। मेरी कोशिस है कि मैं खेल जगत से जुड़े हमारे देश के सितारों से मिलता रहूं, नई चीजें सीखता रहूं और उनके प्रयासों को समझता रहूं और सरकार के तौर पर अगर व्यवस्थान में कुछ बदलाव की जरूरत है, कुछ प्रयासों को बढ़ाने की जरुरत है तो मैं इस दिशा में काम करता रहता हूं मेरी कोशिश है कि सभी से सीधा संवाद हो।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि हम खेलने जा रहे हैं हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने जा रहे हैं। ओलंपिक भी सीखने का एक बहुत बड़ा क्षेत्र है जो सीखने की प्रवृति के साथ काम करता है, उसके लिए सीखने के अनेक अवसर हैं। जो शिकायत में जीना चाहते हैं उनके लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। हमारे जैसे देशों से लोग वहां जाते हैं उन्हें कई कठिनाइयों और असुविधाओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन उनके दिल में उनका देश और उनका तिरंगा झंडा होता है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार भी आप खेल के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करेंगे।

इस दौरान पीएम ने टॉप बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु से बातचीत की। सिंधु ने कहा, मैं तीसरी बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं। मैंने 2016 में रजत पदक जीता था और 2020 में मैंने कांस्य पदक जीता। मुझे इस साल पदक का रंग बदलने की उम्मीद है, मुझे इस साल एक और पदक की उम्मीद है। इसके अलावा पीएम ने पेरिस ओलंपिक में भाग लेने से पहले ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ी से भी चर्चा की।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 12 रनों से हराया, सीरीज में 1-0 की बनाई बढ़त

चेन्नई, 5 जुलाई। दक्षिण अफ्रीका महिला टीम ने भारत को पहले टी-20 मैच में 12 रन से हराया। अफ्रीका द्वारा मिले 190 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 4 विकेट पर 177 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत की ओर से जेमिमा रोड्रिग्स (53), शेफाली ने (18), मंधाना (46) और हेमलता (14) रन बनाकर आउट हो गई।

आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिये 21 रन चाहिये थे। परंतु भारतीय टीम 8 रन ही बना सकी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच चेन्नई में खेला जा रहा है। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 189 रन बनाए हैं। अफ्रीका की ओर से ब्रिट्स ने सर्वाधिक 81 रन बनाए। भारत के लिए पूजा और राधा ने 2-2 विकेट चटकाए। इसके जवाब में शेफाली वर्मा और स्मृति ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी हुई। शेफाली 18, मंधाना 46 और हेमलता 14 रन बनाकर आउट हुईं।

दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाजलौरा वोल्वार्ड्ट और ब्रिटस ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई है। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी हुई। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट 22 गेंद में 33 रन बनाकर आउट हुईं। राधा यादव ने उन्हें आउट किया।मारिजैन कैप और ब्रिट्स के बीच दूसरे विकेट के लिए 56 गेंद में 96 रन की साझेदारी हुई। कैप 33 गेंद में 57 रन बनाकर आउट हुईं।क्लो ट्रायोन ने 12 रन बनाए। ब्रिट्स आखिरी गेंद पर आउट हुईं। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और तीन छक्के लगाए।

पाक तीन देशों के लिए सात टेस्ट मैचों की करेगा मेजबानी

लाहौर, 5 जुलाई। पाकिस्तान आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले बंगलादेश, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के लिये सात टेस्ट मैचों की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने घरेलू सत्र के कार्यक्रम की तारीखों का ऐलान किया। जिसके तहत चैंपियंस ट्राफी से पहले पाकिस्तान तीन देशों के लिए सात टेस्ट मैचों की मेजबानी करेगा। टूर्नामेंट से पहले तैयारियों के मद्देनजर पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच ट्राई सीरीज खेली जाएगी। ये सीरीज आठ से 14 फरवरी तक मुल्तान में होगी। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए केवल एक मसौदा कार्यक्रम जारी किया है। घोषित कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान 21 अगस्त से तीन सितंबर तक रावलपिंडी और कराची में एक-एक टेस्ट खेलेगा। इसके बाद पाकिस्तान, इंग्लैंड के साथ सात से 28 अक्टूबर तक मुल्तान, कराची और रावलपिंडी में तीन टेस्ट मैच खेलगा। इसके बाद पाकिस्तान का ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे का सीमित ओवरों का दौरा और दक्षिण अफ्रीका का सभी प्रारूपों का दौरा होगा। ऑस्ट्रेलिया में तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैच 4-18 नवंबर तक खेले जाएंगे। पाकिस्तान जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैच खेलेगा। ये मैच 24 नवंबर से पांच दिसंबर तक बुलावायो में खेले जाएंगे। पाकिस्तान का दक्षिण अफ्रीका दौरा 10 दिसंबर से टी-20 सीरीज के साथ शुरू होगा तथा 26 दिसंबर से सात जनवरी तक क्रमश: सेंचुरियन और केपटाउन में दो टेस्ट मैच खेले जायेंगे।

आईसीसी ने किया बुमराह, रोहित, मंधाना को प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामांकित

दुबई, 5 जुलाई। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी-20 विश्वकप टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले जसप्रीत बुमराह और रोहित शर्मा तथा महिला वर्ग में स्मृति मंधाना, मैया बाउचिर और विशमी गुणरत्ने को प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामांकित किया। आईसीसी की ओर से प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए जारी की गई नामांकित सूची में भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और और अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज तथा महिला वर्ग में स्मृति मंधाना, इंग्लैंड की मैया बाउचिर, श्रीलंका की विशमी गुणरत्ने भी शामिल है। बुमराह ने जून में हुये टी-20 विश्वकप टूर्नामेंट में 15 विकेट चटकाए। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब से नवाजा गया। वहीं रोहित शर्मा ने टी-20 विश्वकप के आठ मैच में 156.70 स्ट्राइक रेट से एक बार नाबाद रहते हुए 257 रन बनाए। उन्होंने तीन अर्धशतक भी बनाये थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 92 रन रहा था। आफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने टी-20 विश्वकप में 35.12 की औसत और 124.33 के स्ट्राइक रेट से कुल 281 रन बनाए। महिला वर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ (210) दोहरा शतक बनाने भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना, श्रीलंका की विश्मी गुणरत्ने ने वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में तथा इंग्लैंड की मैया बाउचिर को भी उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ की नामांकन सूची में शामिल किया गया है।

नई खेल नीति खिलाड़ियों को करेगी प्रोत्साहित : पठानिया

धर्मशाला, 5 जुलाई। कांग्रेस के विधानसभा में उप मुख्य सचेतक तथा पावर लिफ्टिंग ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष और हिमाचल प्रदेश पावर लिफ्टिंग के अध्यक्ष केवल सिंह पठानिया ने कहा कि प्रदेश सरकार की नई खेल नीति का उद्देश्य खेलों को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना है। पठानिया ने कहा है कि पुरस्कार राशि में वृद्धि खेलों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ने के साथ खेलों में उत्कृष्टता हासिल होगी।

यूकी भांबरी-ओलिवेट्टी की जोड़ी विम्बलडन के दूसरे दौर में पहुंची

लंदन, 5 जुलाई। भारत के यूकी भांबरी और फ्रांस के ओलिवेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक और अलेक्जेंडर शेवचेंको को मुकाबले में हराकर विम्बलडन चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंच गयी है। भांबरी और ओलिवेट्टी की जोड़ी ने कोर्ट नौ पर 58 मिनट तक चले मुकाबले में अलेक्जेंडर बुब्लिक और अलेक्जेंडर शेवचेंको की जोड़ी को सीधे 6-4, 6-4 से हराया।

मैच के दौरान इंडो-फ्रेंच जोड़ी ने तीन बार सर्विस तोड़ी और सर्विस पर दो ब्रेक प्वाइंट बचाए। भांबरी और ओलिवेट्टी की अगले दौर में जर्मनी के केविन क्राविएट्ज़ और टिम पुएट्ज से भिड़ंत होगी। वहीं एक अन्य मुकाबले में एन श्रीराम बालाजी और ल्यूक जॉनसन की जोड़ी को फ्रांस की एल सल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पाविक की जोड़ी ने सीधे सेट में 6-4, 7-5 से हराया।

जोकोविच, फर्नले को हराकर विम्बलडन के तीसरे दौर में

लंदन, 5 जुलाई। सात बार के विंबलडन चैंपियन सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ब्रिटेन के जैकब फर्नले संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराकर विंबलडन चैंपियनशिप के तीसरे दौर में पहुंच गये है। ऑल इंग्लैंड क्लब में खेले गये मुकाबले में, एक महीने पहले घुटने में लगी चोट के बावजूद जोकोविच ने ग्रैंड स्लैम के मुख्य ड्रा में अपना पहला मैच खेल रहे ब्रिटिश वाइल्डकार्ड जैकब फर्नले पर 6-3, 6-4, 5-7, 7-5 से जीत दर्ज की। सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच तीसरे दौर में मुकाबला एलेजांद्रो टेबिलो और फ्लेवियो कोबोली के मैच के विजेता से होगा। मैच के बाद जोकोविच ने फर्नले के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, जैकब को शानदार मैच के लिए बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने शानदार प्रयास किया और बहुत बढ़िया टेनिस खेला।

ये तो शुरुआत है, अभी तो बहुत दूर जाना है : जसप्रीत बुमराह

बुमराह ने संन्यास के कयासों को सिरे से खारिज किया

वानखेड़े, 5 जुलाई। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीतने के बाद विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने टी20 फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। इसके बाद जसप्रीत बुमराह के लिए अलग अलग कयास लगाए जा रहे थे। लेकिन भारतीय क्रिकेटर अब राहत की सांस ले सकते हैं। दरअसल, जसप्रीत बुमराह ने अपने रिटायमेंट प्लान का खुलासा का ऐलान कर दिया था। बता दें कि, बुमराह ने अपने संन्यास से जुड़े सवालों और कयासों को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

गुरुवार को बारबाडोस से स्वदेश लौटी टीम इंडिया का दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में जोरों शोरों से स्वागत हुआ। वहीं मुंबई में विक्ट्री परेड का आयोजन भी किया गया। ये विक्ट्री परेड नरीमन प्वाइंट्स से शुरू होकर वानखेड़े स्टेडियम तक जाकर थमी। जहां टीम के सम्मान समारोह की तैयारी पहले से कर ली गई थी। इसी समारोह में बुमराह ने संन्यास के कयासों को सिरे से खारिज कर दिया।

जसप्रीत बुमराह ने विक्ट्री सेलिब्रेशन में अपने रिटायमेंट पर बात की। उन्होंने कहा कि, अभी ये बहुत दूर है। मैंने अभी तो शुरुआत की है। ये सब अभी बहुत दूर है। जस्सी ने वानखेड़े की यादों को जिक्र भी किया, उन्होंने कहा कि ये मैदान बहुत खास है। मैं जब बच्चा था तब यहां आया था आज मैंने जो देखा, इससे पहले कभी नहीं देखा।

30 वर्षीय तेज गेंदबाज ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 15 विकेट झटके। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने वर्ल्ड कप जीत पर कहा कि, टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद हर खिलाड़ी के चेहरे पर खुशी के आंसू थे। मैं अपने बेटे को देखकर भावुक हो गया। आमतौर पर ऐसा नहीं होता लेकिन उस वक्त मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं थे मैंने रोना शुरू कर दिया और दो-तीन बार रोया।

अब युवाओं के हाथ में होगी कमान, भारत-जिम्बाब्वे का पहला मैच हरारे में

पिछले 5 टी-20 मैचों में 2 बार जीता है जिम्बाब्वे

मैच सायं 4.30 बजे से सोनी स्पोर्ट्स पर

हरारे, 5 जुलाई। भारत और जिम्बाब्वे के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज का पहला मैच शनिवार को खेला जाएगा। भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे, जबकि जिम्बाब्वे टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथों में होगी। भारतीय टीम वर्ल्ड टी20 रैंकिंग्स में टॉप पर काबिज है। दरअसल, भारतीय टीम नंबर-1 बनने के बाद पहली बार जिम्बाब्वे के खिलाफ खेल रही है। वहीं, आंकडे बताते हैं कि इस फॉर्मेट में जिम्बाब्वे ने भारतीय टीम को कड़ी टक्कर दी है।

जिम्बाब्वे ने पिछले 5 टी20 मैचों में भारत को कडी टक्कर दी है. जिम्बाब्वे ने भारत को 2 बार हराया है, जबकि भारतीय टीम को 3 बार जीत मिली है। वहीं, अब तक भारत और जिम्बाब्वे का टी20 फॉर्मेट में 8 बार आमना-सामना हुआ है, जिसमें टीम इंडिया ने 6 बार बाजी मारी है। जबकि जिम्बाब्वे ने 2 बार भारत को हराया है।

भारत और जिम्बाब्वे के बीच कुल 8 टी20 हरारे में खेले गए हैं। इस मैदान पर भारत पहली बार साल 2010 में टी20 खेला था। हरारे स्पोर्ट्स क्लब को सेलिसबरी स्पोर्ट्स क्लबके नाम से जाना जाता है. अब तक इस मैदान पर 41 टी20 खेले जा चुके हैं। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को 23 बार जीत मिली है, जबकि 17 बार टीमों ने सफलतापूर्वक रनों का पीछा किया है। इस मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए एवरेज स्कोर 156 रन है। जबकि दूसरी पारी में एवरेज स्कोर 139 रन है।

भारतीय समयुसार मैच शाम 4.30 बजे शुरू होगा। लेकिन भारतीय फैंस लाइव स्ट्रीमिंग और ब्रॉडकास्ट कैसे देख पाएंगे? भारतीय फैंस भारत-जिम्बाब्वे टी20 सीरीज सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख पाएंगे। इसके अलावा सोनी लिव एप पर लाइव स्ट्रीमिंग देख पाएंगे।

त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी कनाडा ओपन के क्वार्टरफाइनल में

कैलगरी, 5 जुलाई। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने महिला युगल स्पर्धा में नतास्जा एंथोनीसेन और एलिसा तिर्टोसेंटोनो की डेनमार्क-नीदरलैंड जोड़ी पर जीत दर्ज करते हुए कनाडा ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। मार्किन-मैकफेल सेंटर में गुरुवार को खेले गये मुकाबले में भारतीय जोड़ी को पहले गेम में मिली हार के बाद शानदार वापसी करते हुए 48 मिनट में मैच 17-21, 21-7, 21-8 से जीत लिया।

सातवीं वरीयता प्राप्त त्रिशा और गायत्री शुक्रवार को क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे की सीह पेई-शान और हंग एन-त्ज़ु की जोड़ी से भिड़ेंगी। पहले राउंड में डेनमार्क के शटलर राससम गेम्के को हराने वाले प्रियांशु राजावत ने पुरुष एकल में राउंड ऑफ 16 मुकाबले में जापान के ताकुमा ओबायाशी पर 21-19, 21-11 से जीत दर्ज की। भारतीय शटलर राजावत शुक्रवार को डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से मुकाबला करेंगे।

वहीं भारतीय महिला एकल बैडमिंटन खिलाड़ी अनुपमा उपाध्याय और तान्या हेमंत, पुरुष युगल जोड़ी कृष्णा प्रसाद गर्गा और साई प्रतीक के और मिश्रित युगल जोड़ी रोहन कपूर और रूथविका गड्डे अपने-अपने मुकाबले हार गये। उपाध्याय को कनाडा के मिशेल ली ने तीन गेमों में 21-14, 17-21, 21-13 के स्कोर से हराया। हेमंत थाईलैंड की खिलाड़ी बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ 11-21, 13-21 से हारकर बाहर हो गईं। पुरुष युगल स्पर्धा में कृष्णा प्रसाद गर्गा और साई प्रतीक को चीनी ताइपे की जोड़ी लिन बिंग-वेई और सु चिंग हेंग से 19-21, 21-18, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। कपूर और गड्डे, दूसरे गेम में वापसी के बावजूद, चेन चेंग कुआन और सू यिन-हुई की चीनी ताइपे जोड़ी से 15-21, 21-19, 9-21 से हार गए।

महाराष्ट्र सरकार ने टीम इंडिया को 11 करोड़ का इनाम देने की घोषणा की

वानखेड़े, 5 जुलाई। भारतीय टीम रोहित शर्मा की अगुवाई में टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने के बाद गुरुवार को भारत आई थी और उसके बाद पीएम मोदी ने टीम से मुलाकात कर खिलाड़ियों को बधाई दी और फिर टीम इंडिया को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में सम्मानित किया गया। इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को महाराष्ट्र सरकार ने सम्मानित किया। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, यशस्वी जायसवाल को मिलने के लिए बुलाया और उन्हें सम्मानित किया। सीएम शिंदे ने रोहित शर्मा को छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट की। रोहित शर्मा ने महाराष्ट्र विधान सभा में नेता पक्ष और विपक्ष को संबोधित किया और सीएम शिंदे का आभार व्यक्ति किया। रोहित शर्मा ने इस दौरान कहा कि सूर्यकुमार यादव ने बताया कि गेंद उसके हाथ में फंस गई थी। भगवान का शुक्र है कि ऐसा हुआ, वरना मैं उसे पकड़ लेता। वहीं महाराष्ट्र सरकार ने टीम इंडिया की जीत के लिए 11 करोड़ रुपये इनाम के रूप में देने का ऐलान किया। देवेंद्र फडणवीस ने इस मौके पर कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति में एकता नहीं है लेकिन कैप्टन रोहित शर्मा की वजह से आज हम सब टीम इंडिया के लिए एकजुट हैं।

मुंबई से कभी भी विश्व कप फाइनल की मेजबानी मत छीनना : आदित्य ठाकरे

मुंबई, 5 जुलाई। शिव सेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि मुंबई में टी20 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम का भव्य स्वागत बीसीसीआई के लिए संदेश भी है कि देश की वित्तीय राजधानी से कभी भी किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल मैच मत छीनो। ऐसा लगता है कि ठाकरे की टिप्पणी भारतीय क्रिकेट बोर्ड की आलोचना के लिए थी जिसने 2023 में आईसीसी वनडे विश्व कप की मेजबानी में इसका फाइनल मुंबई के बजाय अहमदाबाद को दिया था। भारत पिछले साल नंवबर में हुए विश्व कप फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार गया था।

क्रिकेट टीम की जीत पर गर्व, अब हमारी बारी : हरमनप्रीत सिंह

नई दिल्ली, 5 जुलाई। टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की शानदार जीत पर भारतीय हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह को गर्व है और उनका वादा है कि पेरिस ओलंपिक में उनकी टीम भी देशवासियों को फिर इसी तरह से जश्न मनाने का मौका देगी। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी खिताब के लिये 11 साल का इंतजार खत्म करते हुए बारबडोस में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप जीता।

चैम्पियन टीम का स्वेदश लौटने पर पलक पांवड़े बिछाकर अभूतपूर्व स्वागत किया गया। इस महीने के आखिर में होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिये शिविर में मसरूफ भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने को दिये विशेष इंटरव्यू में कहा, " एक खिलाड़ी होने के नाते बड़े टूर्नामेंट में जाना और अच्छा प्रदर्शन करके विश्व कप जीतना,उससे बड़ी कोई बात नहीं है। पूरा देश आपके साथ झूम रहा है। इससे बड़ी गर्व की बात क्या हो सकती है।"

बतौर कप्तान पहला लेकिन कैरियर का तीसरा ओलंपिक खेलने जा रहे 28 वर्ष के इस ड्रैग फ्लिकर ने कहा, " हमारी भी यही कोशिश है कि ओलंपिक जाकर पदक जीते और स्वर्ण पदक जीतकर देशवासियों को यही खुशी फिर से दें। देश के साथ इन पलों को हम भी जियें। मेरे लिये इससे बड़ी गर्व की बात नहीं होगी।" उन्होंने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए कहा," पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल हारने के बाद उन्होंने टी20 विश्व कप जीता जो बहुत बड़ी बात है। रोहित का भी काफी लंबा सफर रहा है और उन्होंने कई उतार चढाव देखें हैं।

पूरे देश को और हमें भी उन पर गर्व है।" तोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हरमनप्रीत ने कहा," जब तोक्यो में हमने 41 साल बाद पदक जीता तो हॉकी के लिये यह टॉनिक की तरह रहा। इस बार हमारी जिम्मेदारी बढी है और सभी को पता है कि उस पदक के बाद कितना प्यार और सम्मान मिला है।" उन्होंने कहा कि तोक्यो ओलंपिक के सफर का हर पल उन्हें आज भी याद है और ताउम्र नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा ," पदक जीतने का अहसास कभी नहीं भुलाया जा सकता। टीम में जो नये खिलाड़ी आयें हैं , हम उनके साथ अपना अनुभव बांटते हैं कि ओलंपिक पदक जीतना आसान नहीं होता। वे भी ध्यान से सुनते हैं और पूरे जोश से मेहनत करते हैं।"

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को सीतापुरा में जूलरी एसोसियन द्वारा आयोजित ''जस-2024'' का उद्घाटन किया।

'राजस्थान के कुल निर्यात में रत्न आभूषणों की हिस्सेदारी 11,183 करोड़ रूपए रही है'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रत्न आभूषणों की प्रदर्शनी ''जस 2024'' का उद्घाटन करते हुए कहा

- **शर्मा ने कहा कि, जयपुर आभूषण उद्योग का दिल है, यहाँ के कारीगरों द्वारा बनाए गए आभूषणों की विश्व भर में विशिष्ट पहचान है।**
- **मुख्यमंत्री ने केन्द्र सरकार के सहयोग से जैम्स एण्ड जूलरी पार्क स्थापित करने की घोषणा की, जिससे एक लाख रोज़गार सृजित होंगे।**
- **मुख्यमंत्री ने उद्घाटन कार्यक्रम में जैम्स वर्ल्ड मैगजीन का विमोचन भी किया।**

जयपुर, 5 जुलाई (का.सं.)। शुक्रवार को जूलरी एसोसिएशन द्वारा सीतापुरा स्थित जे.ई.सी.सी. में आयोजित ''जस-2024'' के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गुलाबी नगरी जयपुर विश्व पटल पर रत्न आभूषणों के लिए विख्यात है। जैम्स जूलरी बिजनेस राज्य की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, साथ ही रोजगार सृजन का भी मुख्य साधन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस उद्योग को बढ़ावा देने तथा उद्यिमयों के लिए व्यापार को सुगम बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि जयपुर में बनाए गए आभूषण दुनियाभर में अपनी खूबसूरती और शिल्प कौशल के लिए पहचाने जाते हैं। इसी वजह से राज्य सरकार द्वारा ''एक जिला एक उत्पाद'' योजना के तहत जयपुर में रत्न एवं आभूषणों को चिन्हित किया गया है। जिसके तहत राज्य सरकार इस क्षेत्र को और अधिक विकसित बनाने के लिए कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में राजस्थान के कुल निर्यात में रत्न-आभूषणों की हिस्सेदारी 11 हजार 183 करोड़ रुपये की रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने सोने के आभूषणों की हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाया है। इससे आभूषण उद्योग और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ मिलकर जैम्स एण्ड जूलरी पार्क स्थापित किया जाएगा, जिससे 1 लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कारीगरों का प्रशिक्षण, नवीनतम तकनीक एवं शोध में निवेश को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, जिससे यह उद्यम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू सके। शर्मा ने कहा कि जयपुर के कारीगरों द्वारा बनाई गई जूलरी को देश-विदेश में अपनी एक अलग पहचान मिलती है क्योंकि जयपुर आभूषण उद्योग का हृदय है। उन्होंने उद्यमियों से आ ान किया कि वे इस उद्योग में लगे कारीगरों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए और अधिक कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने जैम्स वर्ल्ड मैग्जीन का लोकार्पण किया तथा वहां लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने प्रदर्शनी के माध्यम से जयपुर की जूलरी को शोकेस करने हेतु मंच उपलब्ध कराने के लिए आयोजनकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर विधायक कल्पना देवी, जूलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आलोक सौंखिया, नेशनल काउंसिल ऑफ इंडिया जेम्स एंड जूलरी के अध्यक्ष प्रमोद डेरेवाला, जूलर्स एसोसिएशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष निर्मल बरड़िया सहित बड़ी संख्या में इस क्षेत्र से जुड़े उद्यमी मौजूद थे।

मालपुरा में 13 इंच बरसात, 44 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

गुरुवार मध्यरात्रि से शुरु होकर दस घंटे लगातार बरसात हुई

- **सहोदरा नदी के उफान में फंसे तीन युवक, चार घंटे चला बचाव कार्य।**
- **तीन दर्जन से अधिक मकान गिरे, दो दर्जन मवेशियों की मौत।**
- **मालपुरा शहर व कई गांव जलमग्न हो गये। बिजली के केन्द्रों पर पानी भर जाने और बिजली के खम्भे टूट जाने से विद्युत वितरण व्यवस्था भी ठप्प हो गई।**

मालपुरा, 5 जुलाई (निसं)। गुरूवार की मध्य रात्रि के बाद तेज गर्जना के साथ शुरू हुई मूसलाधार बरसात ने 44 साल का रिकॉर्ड तोड़ते हुये तबाही का कहर बरपाया। अस्सी के दशक में हुई तबाही का मंजर एक बार फिर 2024 में देखने को मिला। शुक्रवार दोपहर तीन बजे तक लगातार बारिश जारी रहने से शाम 4 बजे तक मालपुरा में 13 इंच से अधिक बरसात दर्ज की गई।

नगरपालिका प्रशासन द्वारा मानसून पूर्व बरसाती नालों की सफाई नहीं करवाने, नालों पर हुये अतिक्रमण नहीं हटाने और आपदा प्रबंधन के इंतजाम नहीं करने का खामियाजा शहरवासियों को तबाही के रूप में भुगतना पड़ा है। शहर व गांव की सड़कें दरिया बन गईं, आवासीय कॉलोनियाँ व कई गांव टापुओं में तब्दील हो गये तथा 132 केवी जी.एस.एस. स्टेशन पर भारी मात्रा में पानी भर जाने से दस घंटे तक मालपुरा शहर अंधेरे में डूबा रहा। ग्रामीण क्षेत्र में दर्जनों विद्युत पोल टूट जाने से विद्युत व्यवस्था ठप्प हो गई। शहर के नवीन मंडी, महावीर मार्ग, ट्रक स्टेण्ड, बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन, पुरानी तहसील, मीर कॉलोनी, बृजलाल नगर, दूदू रोड की सड़कें दरिया बन गईं। मकानों व दुकानों में चार से पांच फीट पानी भर जाने से लोगों को करीब 3 करोड़ से अधिक आर्थिक नुकसान हुआ है। विद्युत पोल धराशायी होने के साथ-साथ चांदसेन, अम्बापुरा, मालपुरा कस्तूरबा बालिका विद्यालय, सरकारी अस्पताल, टाउन नम्बर 5 स्कूल सहित दर्जनों सरकारी भवनों की चार दीवारी व कमरे धराशायी हो गये। साथ ही दो दर्जन से अधिक मवेशी अकाल मौत का शिकार हो गये। डेयरी प्लांट के एक दर्जन पोल व डीपी पानी में बह गये। आसमान से बरसी आफत व तबाही से चारों और चीख पुकार शुरू हो गई। स्थानीय प्रशासन लोगों को राहत पहुंचाने में बेबस व लाचार नज़र आया।

रिकॉर्ड बरसात के कारण शहर के प्राचीन बम्ब तालाब व झालरा तालाब में हुई पानी की भारी आवक से महज छः घंटों में तालाब पर चादर चल गई। रेल्वे स्टेशन की कॉलोनियों में गले तक पानी भर जाने से वाहन पानी में तैरते नजर आये। सिंचाई विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, शाम चार बजे तक मालपुरा व चांदसेन में 13 इंच से अधिक बरसात हुई। क्षेत्र के प्रमुख बांधों में पानी की भारी आवक से केरवालिया व कलमंडा बांध पर चादर चल गई।

टोरडी सागर बांध में 20 फीट, चांदसेन में 14 फीट, किरावल में 4 फीट, लाम्बाहरिसिंह में 8 फीट पानी की आवक हुई। चांदसेन की जैलमियां ढाणी में मकान की दीवार ढह गई जिसके नीचे दबकर 9 बकरियाँ मर गईं। कल्याणपुरा में पक्का मकान धराशायी हो गया। अजमेर रोड श्मशान घाट की दीवार का लम्बा भाग धराशायी हो गया। अम्बापुरा स्कूल के चार कमरे धराशायी हो गये। सहोदरा नदी में पानी की भारी आवक व उफान के कारण तीन युवक ट्रैक्टर के साथ नदी के बीच में फंस गये। सूचना मिलने पर तहसीलदार राहुल पारीक ने मय जाप्ते के मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों के सहयोग से बचाव कार्य शुरू किया। तकरीबन चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ड्रोन की सहायता से नदी के बीच फंसे युवकों तक रस्सी पहुँचाई गई जिसके सहारे युवकों को सुरक्षित नदी से निकाला गया।

इसी प्रकार नारेडा विद्यालय में ड्यूटी के लिये जा रहा शिक्षक साजिद खान बाइक सहित पानी के बहाव में बह गया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत करके शिक्षक की जान बचाई। दर्जनों दुपहिया व चौपहिया वाहन पानी में बह गये। कई गांव-ढाणियों के सड़क मार्ग टूट जाने से आवागमन बंद हो गया। बारह घंटे तक चले तबाही के मंजर के बावजूद जिला स्तरीय अधिकारियों ने मालपुरा पहुंच हालात का जायजा लेना मुनासिब नहीं समझा।

महुआ मोइत्रा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खान ने, उसी तर्क के आधार पर कहा था कि राष्ट्रपति भवन तथा संसद भवन भी ढहा दिए जाने चाहिए क्योंकि ये भी ''दासता के प्रतीक हैं'' सच तो यह है कि इस प्रकार के विवादास्पद बयानों की सूची बहुत लम्बी है।

मोइत्रा की टिप्पणी के सम्बन्ध में एनसीडब्ल्यू ने एक्स पर की गई एक पोस्ट में कहा है ''एनसीडब्ल्यू ने एनसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन के खिलाफ मोइत्रा की अपमानजक टिप्पणी का स्वप्रेरित संज्ञान लिया है। यह भद्दी टिप्पणी घोर अपमानजक तथा नारी की गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है तथा यह टिप्पणी ''भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 79 का ध्यान आकर्षित करती है। उनके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज होनी चाहिए तथा तीन दिन के अन्दर आयोग को दस सम्बन्ध में हुई कार्यवाही की विस्तृत रिपोर्ट मिल जानी चाहिए।

2024 के लोकसभा चुनाव में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्षों से मध्यप्रदेश कांग्रेस को संचालित एवं नियन्त्रित करते रहे हैं।

परिणाम यह हुआ कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी तथा कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ भी अपनी पुश्तैनी सीट छिंदवाड़ा गंवा बेठे। ज्ञातव्य है कि इस सीट पर कांग्रेस 1953 से नहीं हारी थी।

कमलनाथ और उनके बेटे भाजपा में करीब-करीब शामिल हो गए थे लेकिन मामला बिगड़ गया तथा वे वापस कांग्रेस में ही बन रहे। और इस प्रकार उनकी विश्वसनीयता लगभग समाप्त हो गई।

उनका बेटा दूसरा कमलनाथ नहीं हो सकता और जहाँ तक कांग्रेस नेतृत्व का प्रश्न है, कमलनाथ के दिन राजनैतिक रूप से लद गये हैं जबकि तथ्य यह था कि वे गांधी परिवार के बहुत नजदीक थे तथा वे कुछ कह देते थे या जो भी चाहते थे, वह अपने आपमें अन्तिम एवं निर्णायक माना जाता था तथा कोई उसे काट नहीं सकता था।

वे दिन अब गुज़र चुके हैं और कमलनाथ भी अब राजनैतिक रूप से समाप्त प्राय: ही है।

राहुल गांधी के नेतृत्व के चलते वे ताकतवर क्षेत्रीय क्षत्रप, जिनकी साख समाप्त हो गई है तथा जिनका ट्रैक-रिकॉर्ड संदिग्ध रहा है, अब नहीं चल सकते तथा उनके स्थान पर अब युवा और ज्यादा विश्वनीयत नेता कभी राज्यों में केन्द्रीय भूमिका में दिखाई देंगे।

कांग्रेस में राहुल गांधी के और भी ज्यादा ताकतवर होते जाने के साथ, यह मान कर चलना सुरक्षित है कि इस बात का निर्णय वे ही लेंगे कि आगामी दिनों में कौन अन्दर रहेगा और कौन बाहर जायेगा।

पूर्व विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में मलिंगा सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें जमानत दी गई। जमानत मिलने के बाद उसने याचिकाकर्ता को धमकाया और जुलूस निकाल कर कानून का मजाक उड़ाया। इसके अलावा मलिंगा ने अदालत में गलत तथ्य पेश कर जमानत ली है। मलिंगा के खिलाफ गवाह को धमकाने को लेकर एफ.आई.आर. भी दर्ज हुई है। याचिकाकर्ता घटना के बाद से अस्पताल में भर्ती है। ऐसे में आरोपी को मिली जमानत को रद्द किया जाए।

सरकारी वकील शेरसिंह महला ने भी याचिकाकर्ता के तथ्यों पर सहमति जताते हुए आरोपी की जमानत रद्द करने की गुहार की, जिसका विरोध करते हुए मलिंगा की ओर से कहा गया कि उन पर लगाए गए आरोप झूठे हैं और उन्होंने जमानत का दुरुपयोग नहीं किया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी मलिंगा को मिली जमानत को रद्द कर उसे सरेंडर करने को कहा है। गौरतलब है कि मलिंगा के खिलाफ याचिकाकर्ता ने मार्च 2022 में मारपीट व एससी-एटी एक्ट में केस दर्ज कराया था। इसमें मलिंगा पर आरोप लगाया था कि विभाग के ऑफिस में मीटिंग के दौरान मलिंगा और उनके साथ 5-6 लोग आए और उन्होंने उनके साथ मारपीट की। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें एस.एम.एस. अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष नड्डा से मिले

दस दिन बाद पुनः दिल्ली जाएंगे किरोड़ी लाल मीणा

- **डॉ. मीणा के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उनसे इस्तीफा देने का कारण पूछा था।**
- **मीणा ने नड्डा को बताया कि, जिस क्षेत्र में 40-45 साल से सेवा कर रहा हूँ वहां लोग मुझसे विमुख हो गए, यह मुझे बर्दाश्त नहीं है।**
- **किरोड़ी ने नड्डा से यह भी कहा, लोकसभा चुनाव में मैंने कहा था कि, प्रत्याशी को जिता नहीं पाया तो इस्तीफा दूँगा, मेरी क्रैडिबिलिटी बनी रहे इसलिए इस्तीफा दिया।**

जयपुर, 5 जुलाई (का.सं.)। प्रदेश में मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद डॉ किरोडीलाल मीणा शुक्रवार को दिल्ली गए। दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से उनके आवास पर हुई मुलाकात के बाद भी किरोड़ीलाल मीणा अपने इस्तीफे के स्टैंड पर कायम हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा से मिलने के बाद किरोडीलाल मीणा ने कहा कि मैंने इस्तीफा बहुत पहले दे दिया था। उजागर कल किया था, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुझे 11:15 पर मिलने बुलाया था। उन्होंने मुझसे पूछा इस्तीफा क्यों दिया, मैंने कहा एक ही कारण है कि मैं 40-45 साल से जिस क्षेत्र में सेवाएं दे रहा हूं, न दिन देखा न रात देखा, न गर्मी न सर्दी देखी। वो लोग मेरे से विमुख हो गए, यह चीज मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता। नैतिकता के नाते मंत्री पर छोड दिया, क्योंकि मैंने लोकसभा चुनाव में इसकी घोषणा की थी।

मीणा ने कहा कि मैं अपने विधानसभा और संसदीय क्षेत्र में पार्टी को जीत नहीं दिला सका यही कारण है और कोई कारण नहीं है। इस्तीफा वापसी के सवाल पर कहा कि यह अलग बात है, 10 दिन बाद मिलूंगा, फिर बताऊंगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुझे इस्तीफे से मना किया था, कहा था कि मेरे साथ रहना जरूरी है। क्योंकि मैंने जनता के बीच में घोषणा की थी तो मेरी क्रेडिबिलिटी बनी रहे, रिलायबिलिटी बनी रहे, वचन दिया था वह पूरा होना चाहिए, इसलिए इस्तीफा दिया।

डॉ. किरोड़ी ने कहा कि यह बात सही है कि इमरजेंसी में मोदी के साथ काम किया है, मैं मीसा में भी बंदी रहा हूं, यातनाएं भी बहुत दी गईं। मैं पार्टी लाइन नहीं छोड़ता, पार्टी के अनुशासन में रहता हूं। मोदी मुझे बहुत स्नेह करते हैं, मित्रवत संबंध रखते हैं, मैं भी उनका बहुत आदर करता हूं।

मीणा अपने भाई को दौसा से टिकट दिए जाने की पैरवी के सवाल पर किरोडीलाल ने कहा कि यह गलत है, ऐसी कोई बात नहीं है। चुनाव में जहां भी मेरे को भेजा जाएगा, मैं वहां काम करूंगा। तीन उप चुनाव ऐसे क्षेत्रों में हैं, जो एसटी बाहुल्य क्षेत्र हैं, मैं वहां काम करूंगा। हम उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। हम पद के लिए राजनीति में नहीं आए, पद की मेरी कोई चाहत नहीं है। किसी से कोई नाराजगी नहीं है। हम तो राष्ट्रभक्ति के भाव से काम करने आए हैं, यह संस्कार है देश कैसे मजबूत हो, उसके लिए पद मिले तो काम करना, न मिले तो भी काम करना है।

डॉ. सतीश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रभारी नियुक्ति किया है। उत्तरप्रदेश से राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर को प्रदेश सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

लोकसभा चुनावों में भी पार्टी ने सतीश पूनिया को हरियाणा का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया था। चुनाव के दौरान सतीश पूनिया की सक्रियता ने खासी सुर्खियां बटोरी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा की सफल रैली आयोजित कराई। लेकिन हरियाणा में भाजपा इस बार क्लीन स्वीप नहीं कर पाई।

हरियाणा में 2019 में भाजपा ने दस सीटें जीती थी, लेकिन इस बार भाजपा 5 सीटें ही जीत पाई थी। लेकिन अब होने वाले विधानसभा चुनावों में पार्टी ने सतीश पूनिया को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी हैं।

- **हरियाणा में विधानसभा चुनावों से पूर्व राजस्थान में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पूनिया को महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दिए जाने के राजनैतिक मायने निकाले जा रहे हैं।**

महेंद्र सिंह को मध्यप्रदेश का, नितिन नवीन को छत्तीसगढ़ का, विनोद तावडे को बिहार का, लक्ष्मीकांत वाजपेई को झारखंड का, कर्नाटक में राधा मोहन दास अग्रवाल, विजय रुपाणी को पंजाब का, श्रीकांत शर्मा को हिमाचल का, विजय सिंह तोमर को उड़ीसा का, अरुण चुघ को जम्मू कश्मीर का, प्रकाश जावेडकर को केरल का, संबित पात्रा को उत्तर पूर्व का प्रभार, आशीष सूद को गोवा का प्रभारी बनाया गया है।

'पॉक्सो कानून बने 2 साल हो गए पर फिर भी डी.एन.ए. जाँच के लिए पर्याप्त लैब क्यों नहीं?'

राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने पॉक्सो प्रकरणों में अनुसंधान में देरी और डी.एन.ए. रिपोर्ट देर से आने पर चिंता जताई।**
- **हाई कोर्ट ने कहा, ऐसे केस में मंत्री 3 माह में जांच कराने का बयान देते हैं पर 6 माह तक मामला एफ.एस.एल. में ही नहीं जाता, दो-दो साल तक जाँच रिपोर्ट नहीं आती। इस वजह से पॉक्सो केस दस-दस साल तक चलते रहते हैं।**
- **हाई कोर्ट के महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि, राज्य सरकार डी.एन.ए. एवं एफ.एस.एल. जाँच के लिए बेहद गंभीर है और आगामी बजट में इस तरह की लैब्स के लिए बजट भी आवंटित करवाया जाएगा।**

जयपुर, 5 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पॉक्सो प्रकरणों में अनुसंधान में देरी और डी.एन.ए. रिपोर्ट समय पर नहीं आने पर गंभीर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि पॉक्सो कानून बने 12 साल बीत गए हैं, लेकिन अभी तक डी.एन.ए. जांच के लिए पर्याप्त प्रयोगशाला ही नहीं है।

अदालत ने कहा कि सरकार के मंत्री बयान देते हैं कि तीन माह में न्याय कराएंगे, लेकिन पुलिस छह माह तक प्रकरण को एफ.एस.एल. में ही नहीं भेजती। वहीं दो-दो साल तक इसकी रिपोर्ट नहीं आती। इस वजह से दस साल तक पॉक्सो केस लंबित रहते हैं, जबकि कानून में इन प्रकरणों को निस्तारित करने की समय सीमा तय की गई है। अदालत ने कहा कि जिन छोटी बच्चियों से दुष्कर्म हुआ है, उन पर क्या बीतती होगी। जस्टिस उमाशंकर ने यह टिप्पणी पॉक्सो प्रकरण से जुड़े एक मामले में की। अदालत ने राज्य सरकार को कहा कि वह इस संबंध में उचित कदम उठाए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद को बुलाकर पूछा कि एफ.एस.एल. और डी.एन.ए. रिपोर्ट समय पर क्यों नहीं आ रही। महाधिवक्ता ने कहा कि जांच रिपोर्ट समय पर लाने के लिए कई जगहों पर प्रयोगशालाएं खोली गई हैं। राज्य सरकार डी.एन.ए. और एफ.एस.एल. जांच को लेकर गंभीर है। इसके अलावा आगामी बजट में भी नई प्रयोगशाला के लिए बजट में राशि मंजूर करवाई जाएगी। महाधिवक्ता ने अदालत को आश्वस्त किया कि एफ.एस.एल. और डी.एन.ए. रिपोर्ट को कम समय में कोर्ट में पेश करवाया जाएगा, ताकि केसों की सुनवाई जल्दी पूरी हो सके।

केन्द्र ने नीट -यूजी परीक्षा दोबारा कराने का सुप्रीम कोर्ट में विरोध किया

नयी दिल्ली, 05 जुलाई। केन्द्र सरकार ने स्नातक स्तर के मेडिकल समेत कुछ अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए हुई नीट 2024 और इसके घोषित किए गए परिणाम को रद्द कर इसे दोबारा आयोजित कराने की मांग वाली याचिकाओं का उच्चतम न्यायालय में विरोध किया है। केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत में एक हलफनामा दायर कर अपना पक्ष रखते हुए इन याचिकाओं का विरोध किया है। सरकार ने कहा है कि इस अखिल भारतीय परीक्षा की बड़े पैमाने पर गोपनीयता भंग होने के किसी भी सबूत के अभाव में नीट यूजी परीक्षा पूरी तरह से रद्द करने से लाखों अभ्यार्थियों को गंभीर नुकसान होगा। शिक्षा मंत्रालय ने कहा, अखिल भारतीय परीक्षा में गोपनीयता के बड़े पैमाने पर उल्लंघन के किसी भी सबूत के अभाव में पूरी परीक्षा और पहले से घोषित परिणामों को रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा।

पहली बार लेबर पार्टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दृष्टिकोण को रेखांकित करते रहे हैं।

उनके इन मनोभावों का उद्देश्य आपसी विश्वास को बढ़ाना और ब्रिटिश-इण्डियन कम्युनिटीज़ में समाहित होना है क्योंकि उनकी जनसांख्यिकी लेबर पार्टी की चुनावी गणित के लिए महत्वपूर्ण है।

पिछले वर्ष आयोजित इण्डिया ग्लोबल कोरम (आई.जी.एम.) में स्टारमर ने लेबर पार्टी के भारत यू.के. दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए घोषणा की थी कि ''आप सभी के लिए मेरा एक स्पष्ट संदेश है। लेबर पार्टी की मेरी सरकार हमारे साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और आकांक्षाओं के आधार पर भारत के साथ संबंध स्थापित करेगी।''

स्टारमर ने किंग्सबरी स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर की यात्रा के दौरान हिंदू विरोधी हेट क्राइम्स के खिलाफ कड़ा रूख अपनाने के संकेत देते हुए घोषणा की कि ''हिंदू फोबिया के लिए ब्रिटेन में कोई स्थान नहीं है।''

पिछले मुद्दों, खासकर कश्मीर पर लेबर पार्टी के रूख को स्वीकार करते हुए उन्होंने अपनी पार्टी के भीतर के ऐसे चरमपंथी विचारों को समाप्त करने का संकल्प लिया था जो भारत-यू.के. संबंधों को नुकसान पहुंचा सकते हों।

पार्टी अध्यक्ष एनालीज़ डॉट्ज़ ने घोषणा की कि लेबर पार्टी ने चरमपंथी विचारधारा वाले पार्टी सदस्यों को हटा दिया है। उन्होंने ब्रिटेन के भारतीय समुदाय का आव्हान करते हुए कहा था कि ''भारत विरोधी किसी भी घटना से उन्हें अवगत कराए जाने पर उस पर त्वरित कार्रवाई का वे वादा करती हैं।'' पार्टी का उद्देश्य लम्बे समय से अटके पड़े भारत-यू.के. एफ.टी.ए. पर काम करना और नवीन तकनीकियों, पर्यावरण तथा सुरक्षा सहयोग सहित इसका दायरा बढ़ाना है। आब्रजन की व्यापक चिन्ताओं के बावजूद उम्मीद है कि वीसा नीतियों, खासतौर पर यू.के. के सर्विस सैक्टर में इण्डियन वर्कर्स के लिए अस्थायी वीज़ा पर बातचीत की उम्मीद है।

यू.के. में भारतीय मूल की बढ़ती आबादी के मद्देनज़र लेबर पार्टी ने इस बार भारतीय मूल के कई उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा था।

राहुल गांधी हाथरस पहुंचे, पीड़ित परिवारों से मुलाकात की

हापुड़/नयी दिल्ली, 05 जुलाई। लोकसभा में विपक्ष की नेता तथा पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी आज सुबह उत्तर प्रदेश के हाथरस शहर पहुंचे जहां उन्होंने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर ढ ांढ स बंधाया और राज्य सरकार से खुले दिल से पीड़ितों को अनुग्रह राशि देने की मांग की। गांधी ने पीड़ित परिवारों के लोगों से मिलकर बात की और भगदड़ के कारण तथा परिवारों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। गांधी ने कहा, हाथरस हादसे के पीड़ित परिवारों से मिला, ''उन्हें ढ ांढ स बंधाया और हिम्मत दी। कांग्रेस दुख की इस घड़ी में हाथरस के पीडित परिवारों के साथ खड़ी है।'' उन्होंने कहा, पीड़ित परिवारों को सही मुआवज़ा मिलना चाहिए। ये लोग गरीब हैं। इनके मुश्किल वक्त में हम इनके साथ खड़े हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खुले हृदय से इन लोगों की पूरी तरह से आर्थिक मदद करनी चाहिए।

दोनों राजधानियों, लंदन व वॉशिंगटन में दो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खो चुके थे। उनके इस्तीफे के तुरंत बाद, लिज़ ट्रस ने प्रधानमंत्री का पद संभाला था।

लेकिन, अपने टैक्स प्रोग्राम्स और अस्त-व्यस्त आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें भी पद छोड़ना पड़ा। तब ऋषि सुनक ने पद संभाला।

सुनक एक प्रोफैशनल थे और सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री थे और पद छोड़ते हुए भी वो सबसे कम उम्र के पूर्व प्रधानमंत्री होंगे। तथापि, बोरिस जॉनसन के समय, चांसलर ऑफ द एक्सचैंजर के पद का अनुभव होने के बावजूद वो देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में असफल रहे, कीमतें आसमान छू रही थीं और आम आदमी भारी कठिनाइयां झेल रहा था।

इस कष्टकारी समय में, जनता के मन में उनकी व्यक्तिगत संपत्ति का बोध बहुत स्पष्ट था, और यह भी कि, उनकी पत्नी ब्रिटेन की सबसे अमीर महिला हैं। सुनक ने कोविड प्रतिबंधों के कारण काम नहीं कर पा रहे लोगों को समर्थन देकर बहुत अच्छा काम किया था। लेकिन, कोविड के बाद उन्हें टैक्स बढ़ाने पड़े।

इसी बीच चर्चा है कि उनकी पत्नी टैक्स अदायगी से बचने के लिए ब्रिटेन में कानूनी रास्ते तलाश रही हैं। उनकी दौलत और शैक्षणिक पृष्ठभूमि उन्हें आम लोगों से अलग करती है।

अमेरिका में डॉनल्ड ट्रम्प के साथ बहस में जो बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद डैमोक्रेटिक पार्टी में बाइडन की जगह कमला हैरिस को प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चा चल रही है।

स्थिति यह है कि पार्टी में हैरिस के ''रनिंग मैट'' की तलाश हो रही है। यह धारणा जोर पकड़ रही है कि ट्रम्प को हैरिस ही सही जवाब दे सकती है। बाइडन के साथ प्रचार दौरान वे यह काम बखूबी कर रही हैं।

ट्रम्प खेमे को भी यही उम्मीद है इसलिए ट्रम्प ने हैरिस पर हमले तीव्र कर दिए हैं इसके अलावा जैसे ही हैरिस को बाइडन की जगह दावेदार बनाया जाता है वैसे ही बाइडन का प्रचार फंड, विशेषज्ञ टीम व स्टाफ सब हैरिस को मिल जाएगा।

एक विशेषज्ञ ने कहा कि हैरिस को प्रत्याशी घोषित करना, जबकि चुनावों में बहुत कुछ दांव पर लगा है, जीतने की रणनीति है। ट्रम्प विरोधी गठबंधन डैमोक्रेटिक पार्टी के रनिंग मेट व उपराष्ट्रपति की ताकत को कमतर आंकना वहन नहीं कर सकता है। वह जीत का एकमात्र यथार्थ विकल्प है।

अगर हैरिस जीत गई तो वह इतिहास रचेंगी। वह पहली एशियन होंगी जो अमेरिका की राष्ट्रपति बनेंगी तथा पहली महिला राष्ट्रपति भी होंगी। भले ही अभी ऐसा नहीं हो, पर एक दिन अवश्य होगा।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908